



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

लखनऊ, सोमवार, 24 मार्च, 2025

चैत्र 3, 1947 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 70/ग्यारह-2-25-9(42)-17-टी0सी0-71-उ0प्र0जी0एस0टी0नियम-2017-आदेश (336)-2025

लखनऊ, 24 मार्च, 2025

अधिसूचना

सा0प0नि0-29

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्वारा उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 का अग्रतर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, अर्थात्:-

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (पैंसठवां संशोधन) नियमावली, 2025

1-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (पैंसठवां संशोधन) संक्षिप्त नाम और
नियमावली, 2025 कही जायेगी। प्रारम्भ

(2) इस नियमावली में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, यह तारीख 08 अक्टूबर, 2024
से प्रवृत्त हुयी समझी जायेगी।

2-उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 (जिसे आगे उक्त नियमावली नियम 36 का
कहा गया है) में नियम 36 के उपनियम (3) में शब्द "तथ्यों को छिपाने" के पश्चात् शब्द और संशोधन
अंक, "धारा 74 के अधीन" बढ़ा दिये जाएंगे।

नियम 46 का संशोधन	<p>3-तारीख 1 नवंबर, 2024 से उक्त नियमावली के नियम 46 में,—</p> <p>(क) खंड (ध) के पश्चात् दूसरा परंतुक निकाल दिया जाएगा;</p> <p>(ख) तीसरे परंतुक में शब्द “परंतु यह भी कि की दशा में” के स्थान पर शब्द “परंतु यह और कि की दशा में” शब्द रख दिये जाएंगे।</p>
नियम 47 क का बढ़ाया जाना	<p>4-उक्त नियमावली में नियम 47 के पश्चात् तारीख 1 नवंबर, 2024 से निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्—</p> <p>“47 क. उन मामलों में कर बीजक जारी करने के लिए समय सीमा जहां प्राप्तिकर्ता को बीजक जारी करना अपेक्षित है, नियम 47 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जहां नियम 46 में निर्दिष्ट बीजक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो धारा 9 की उपधारा (3) या उपधारा (4) के अधीन कर का संदाय करने के लिए दायी है, द्वारा धारा 31 की उपधारा (3) के खंड (घ) के अधीन जारी किए जाने के लिए अपेक्षित है, वह यथास्थिति माल या सेवा या दोनों के उक्त प्रदाय की प्राप्ति की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर उक्त बीजक जारी करेगा।”</p>
नियम 66 का संशोधन	<p>5-उक्त नियमावली में नियम 66 के उपनियम (1) में शब्द, अक्षर और अंक “प्ररूप जीएसटीआर-7” के पश्चात् तारीख 1 नवम्बर, 2024 से शब्द “कैलेण्डर मास के उत्तरवर्ती मास के दसवें दिन या उससे पहले” बढ़ा दिये जाएंगे।</p>
नियम 86 का संशोधन	<p>6-उक्त नियमावली के नियम 86 के उपनियम (4ख) के खंड (ख) में शब्द, कोष्ठक और अंक “नियम 96 के उपनियम (10) के उल्लंघन में” निकाल दिये जाएंगे।</p>
नियम 88 ख का संशोधन	<p>7-उक्त नियमावली के नियम 88 ख के उपनियम (1) में शब्द और अंक “या धारा 74” के पश्चात् तारीख 1 नवम्बर, 2024 से शब्द, अंक और अक्षर, “या धारा 74क” बढ़ा दिये जाएंगे।</p>
नियम 88घ का संशोधन	<p>8-उक्त नियमावली के नियम 88घ के उपनियम (3) में “या धारा 74” शब्दों और अंकों के पश्चात् तारीख 1 नवम्बर, 2024 से शब्द, अंक और अक्षर “या धारा 74 क” बढ़ा दिये जाएंगे।</p>
नियम 89 का संशोधन	<p>9-उक्त नियमावली के नियम 89 में,—</p> <p>(क) उपनियम (4) में,—</p> <p>(i) खंड (ख) में, शब्द, कोष्ठक अंक और अक्षर “इनपुट कर प्रत्यय से भिन्न जिसके लिए उपनियम 4 (क) या उपनियम 4 (ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा किया गया है,” निकाल दिये जायेंगे।</p> <p>(ii) खंड (ग) में, शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर “पूर्तियों के आवर्त से भिन्न, जिसके सम्बंध में उपनियम 4 (क) या उपनियम 4 (ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा किया गया है,” निकाल दिये जाएंगे।</p> <p>(iii) खंड (ङ) में, शब्द “सुसंगत अवधि के दौरान” से प्रारम्भ होने वाली और शब्द “अपवर्जित करते हुए” पर समाप्त होने वाली लम्बी लाइन के स्थान पर शब्द “सुसंगत अवधि के दौरान शून्य दर पूर्तियों से भिन्न छूट प्राप्त पूर्तियों के मूल्य को अपवर्जित करते हुए” रख दिए जाएंगे।</p> <p>(ख) उपनियम (4क) और उपनियम (4ख) निकाल दिया जाएगा;</p> <p>(ग) उपनियम (5) के स्पष्टीकरण में, खण्ड (क) में, शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर “इनपुट कर प्रत्यय से भिन्न जिसके लिए उपनियम 4 (क) या उपनियम 4 (ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा किया गया है” निकाल दिये जाएंगे।</p>
नियम 96 का संशोधन	<p>10-उक्त नियमावली के नियम 96 में, उपनियम (10) निकाल दिया जाएगा।</p>
नियम 96 ख का संशोधन	<p>11-उक्त नियमावली के नियम 96ख के उपनियम (1) में शब्द और अंक “धारा 73 या धारा 74” के स्थान पर तारीख 1 नवंबर, 2024 से शब्द, अंक और अक्षर, “धारा 73 या धारा 74 या धारा 74क यथास्थिति” रख दिये जाएंगे।</p>

12-उक्त नियमावली के नियम 121 में शब्द और अंक "धारा 73 या धारा 74 के अधीन कार्यवाहियां, यथास्थिति" के स्थान पर तारीख 1 नवंबर, 2024 से शब्द, अंक और अक्षर "धारा 73 या धारा 74 या धारा 74 क के अधीन कार्यवाहियां, यथास्थिति" रख दिए जाएंगे। नियम 121 का संशोधन

13-उक्त नियमावली के नियम 142 में तारीख 1 नवंबर, 2024 से-

(क) उपनियम (1) में-

(i) खंड (क) में शब्द और अंक "या धारा 74" के पश्चात् शब्द, अंक और अक्षर "या धारा 74 क" बढ़ा दिए जाएंगे। नियम 142 का संशोधन

(ii) खंड (ख) में शब्द और अंक "धारा 74 की" के पश्चात् शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर "या धारा 74 क की उपधारा (3)" बढ़ा दिए जाएंगे।

(ख) उपनियम (1 क) में, शब्द और अंक "धारा 74 की" के पश्चात् शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर "या धारा 74क की उपधारा (1)" बढ़ा दिए जाएंगे।

(ग) उपनियम (2) में शब्द, कोष्ठक और अंक "या धारा 74 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसरण में यथास्थिति कर, ब्याज और शास्ति" के स्थान पर शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर "या धारा 74क की उपधारा (8) के खंड (i) या धारा 74 की उपधारा (5) या धारा 74क की उपधारा (9) के खंड (i) के अनुसरण में, यथास्थिति कर, ब्याज और शास्ति" रख दिए जाएंगे।

(घ) उपनियम (2ख) में शब्द और अंक "या धारा 74" के पश्चात् शब्द, अंक और अक्षर "या धारा 74क" बढ़ा दिए जाएंगे।

(ङ) उपनियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रख दिया जाएगा अर्थात:-

"(3) जहां कर से प्रभार्य कोई व्यक्ति धारा 73 की उपधारा (8) के अधीन या धारा 74क की उपधारा (8) के खंड (ii) के अधीन यथास्थिति कर और ब्याज या धारा 74 की उपधारा (8) के अधीन या धारा 74क की उपधारा (9) के खंड (ii) के अधीन यथास्थिति कर, ब्याज और शास्ति का उनमें विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर संदाय करता है या जहां संबंधित व्यक्ति धारा 129 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी रकम का उस धारा की उपधारा (3) के अधीन जारी की गई सूचना के 7 दिन के भीतर किन्तु उक्त उपधारा (3) के अधीन आदेश के जारी होने से पूर्व संदाय करता है, तो वह प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में ऐसे संदाय को समुचित अधिकारी को सूचित करेगा और समुचित अधिकारी उक्त सूचना के संबंध में कार्यवाही का समापन करते हुए प्ररूप जीएसटी डीआरसी-05 में सूचना जारी करेगा।"

(च) उपनियम (4) में शब्द और अंक "धारा 74 की" के पश्चात् शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर "या धारा 74 क की उपधारा (6)" बढ़ा दिए जाएंगे।

(छ) उपनियम (5) में शब्द और अंक "या धारा 74" के पश्चात् शब्द, अंक और अक्षर "या धारा 74क" बढ़ा दिए जाएंगे।

14-उक्त नियमावली के नियम 163 के पश्चात् तारीख 1 नवंबर, 2024 से निम्नलिखित नियम बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात:- नियम 164 का बढ़ाया जाना

"164. धारा 73 के अधीन जारी की गई मांगों के संबंध में धारा 128क के अधीन कार्यवाही को बंद करने के लिए प्रक्रिया और शर्तें (1) कोई व्यक्ति जो धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (क) में उल्लिखित किसी सूचना या किसी कथन के संबंध में ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए पात्र है, तो वह मांग किए गए कर के संबंध में प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 में किए गए संदायों के ब्यौरों के साथ यथास्थिति उक्त सूचना या कथन का ब्यौरा देते हुए सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से आवेदन फाइल कर सकेगा।

(2) कोई व्यक्ति जो धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) और खंड (ग) में उल्लिखित आदेशों के संबंध में ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए पात्र है, तो वह मांग किए गए कर के संबंध में किए गए संदायों के ब्यौरों के साथ उक्त आदेश का ब्यौरा देते हुए सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से आवेदन फाइल कर सकेगा :

परंतु यह कि ऐसे मांग किए गए कर के संबंध में संदाय केवल उक्त आदेश द्वारा सृजित नामे प्रविष्टि के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में रकम प्रत्यय करके किया जाएगा:

परंतु यह और कि यदि ऐसे मांग किए गए कर के संबंध में संदाय प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किया गया है, तो प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन फाइल करने से पूर्व, नियम 142 के उपनियम (2ख) में यथाविहित प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03क में, उक्त मांग के लिए सृजित नामे प्रविष्टि के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर में उक्त रकम के प्रत्यय के लिए उक्त व्यक्ति द्वारा आवेदन फाइल किया जाएगा।

(3) जहां धारा 128क की उपधारा (1) में उल्लिखित सूचना या कथन या आदेश में आंशिक रूप से गलत प्रतिदाय के कारण और आंशिक रूप से अन्य कारणों से कर की मांग भी सम्मिलित है, तो उक्त उपधारा के अधीन अधिसूचित तारीख को या इससे पूर्व केवल उक्त सूचना या कथन या आदेश में मांग किए गए कर की पूर्ण रकम के संदाय के पश्चात् ही उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन कोई आवेदन फाइल किया जा सकेगा।

(4) जहां धारा 128क की उपधारा (1) में उल्लिखित सूचना या कथन या आदेश में आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अवधि के लिए और आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अवधि से भिन्न अवधि के लिए कर की मांग सम्मिलित है, तो उक्त उपधारा के अधीन अधिसूचित तारीख को या इससे पूर्व केवल उक्त सूचना या कथन या आदेश में मांग किए गए कर की पूर्ण रकम के संदाय के पश्चात् ही उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवेदन फाइल किया जा सकेगा।

(5) उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन संदेय रकम वह रकम होगी, जो धारा 73 के अधीन यथास्थिति सूचना या कथन या आदेश के निबंधन में संदेय रकम में से उस रकम जो धारा 16 की उपधारा (5) या उपधारा (6) के अनुसरण में संदेय नहीं है, को घटाकर संदेय बनी रहती है।

(6) कोई व्यक्ति जो उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन कोई आवेदन फाइल करना चाहता है, धारा 128 क की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर ऐसा कर सकता है:

परंतु यह कि जहां धारा 128क की उपधारा (1) के पहले परंतुक में निर्दिष्ट मामलों में कोई आवेदन प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में फाइल किया जाना है, उक्त आवेदन को फाइल करने के लिए समय-सीमा धारा 73 के अधीन ऐसे कर का पुनर्निर्धारण करते हुए समुचित अधिकारी के आदेश की संसूचना की तारीख से छह मास होगी।

(7) उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवेदन, यह स्थापित करने के लिए कि आवेदक धारा 128क के निबंधनों में कर या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए पात्र है, यथास्थिति, किसी अपील प्राधिकारी या अधिकरण या न्यायालय के समक्ष फाइल की गई अपील या रिट याचिका, यदि कोई हो, के प्रत्याहरण के साक्ष्य संबंधी दस्तावेज से संलग्न होगा :

परंतु यह कि जहां आवेदक ने यथास्थिति अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण या किसी न्यायालय के समक्ष कोई अपील या रिट याचिका के प्रत्याहरण के लिए कोई आवेदन फाइल किया है किंतु उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवेदन फाइल करने की तारीख तक संबंधित प्राधिकारी द्वारा प्रत्याहरण के लिए कोई आदेश जारी नहीं किया गया है, आवेदक उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवेदन के साथ उक्त अपील या रिट याचिका के प्रत्याहरण के लिए फाइल किए गए ऐसे आवेदन या दस्तावेज की प्रति अपलोड करेगा और संबंधित प्राधिकारी द्वारा प्रत्याहरण के लिए उक्त आदेश के जारी होने के एक मास के भीतर सामान्य पोर्टल पर उक्त अपील या रिट याचिका के प्रत्याहरण के लिए आदेश की प्रति को अपलोड करेगा।

(8) जहां समुचित अधिकारी का यह दृष्टिकोण है कि प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में किया गया आवेदन नामंजूर किये जाने के लिए दायी है क्योंकि धारा 128क के अनुसार ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए पात्र नहीं है, वह उक्त आवेदन की प्राप्ति की तारीख से तीन मास के भीतर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 में आवेदक को सामान्य पोर्टल पर सूचना जारी करेगा और आवेदक को सुनवाई किए जाने का अवसर भी प्रदान करेगा।

(9) उपनियम (8) के अधीन सूचना की प्राप्ति पर आवेदक उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 में सामान्य पोर्टल पर उक्त सूचना का उत्तर फाइल कर सकेगा।

(10) यदि समुचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि आवेदक धारा 128 क के अनुसार ब्याज और शास्ति के अधित्यजन के लिए पात्र है, वह धारा 128क के अधीन उक्त आवेदन को स्वीकार करने और कार्यवाहियों का समापन करने के लिए सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 में आदेश जारी करेगा।

(11) ऐसे मामलों में जहां उपनियम (10) के अधीन समुचित अधिकारी द्वारा प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 में आदेश जारी किया गया है:-

(क) धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट किसी सूचना या कथन से संबंधित प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 में फाइल किए गए किसी आवेदन के संबंध में, नियम 142 के उपनियम (5) के अनुसार प्ररूप जीएसटी डीआरसी-07 में आदेश का सार उक्त सूचना या विवरण के संबंध में समुचित अधिकारी द्वारा जारी किया जाना अपेक्षित नहीं होगा;

(ख) धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) या खंड (ग) में निर्दिष्ट किसी आदेश से संबंधित प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में फाइल किए गए किसी आवेदन के संबंध में, इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर के भाग 2 में सृजित दायित्व को तदनुसार संशोधित किया जाएगा।

(12) यदि समुचित अधिकारी आवेदक के उत्तर से संतुष्ट नहीं है, समुचित अधिकारी उक्त आवेदन को नामंजूर करते हुए प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 में आदेश जारी करेगा।

(13) (क) ऐसे मामलों में जहां प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 में सूचना जारी नहीं की गई है, समुचित अधिकारी यथास्थिति प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन की प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर उपनियम (10) के अधीन आदेश जारी करेगा।

(ख) ऐसे मामलों में जहां प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 में सूचना जारी की गई है समुचित अधिकारी प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 में आवेदक के उत्तर की प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर या जहां आवेदक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 में सूचना के जारी होने की तारीख से चार मास की अवधि के भीतर उपनियम (10) या उपनियम (12) में आदेश जारी करेगा।

स्पष्टीकरण – इस उपनियम के प्रयोजन के लिए उपनियम (7) के परंतुक में निर्दिष्ट मामलों में, यथास्थिति अपील या रिट के प्रत्याहरण के लिए आदेश को प्रस्तुत करने की तारीख तक उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवेदन के फाइल करने की तारीख से समयावधि को इस उपनियम के खंड (क) या खंड (ख) समयावधि की गणना करते समय सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(14) यदि उपनियम (13) में विनिर्दिष्ट समय अवधि के भीतर समुचित अधिकारी के द्वारा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है, तब यथास्थिति, प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन को स्वीकृत हुआ समझा जाएगा और कार्यवाही पूर्ण हुई मानी जाएगी।

(15) (क) ऐसे मामलों में जहां धारा 107 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट समयावधि के भीतर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 में आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल नहीं की गई है, धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) या खंड (ग) में उल्लिखित आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा फाइल की गई और धारा 128क की उपधारा (3) के अनुसार प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन फाइल करने के लिए वापस ली गई मूल अपील, यदि कोई हो, को प्रत्यावर्तित किया जाएगा।

(ख) ऐसे मामलों में जहां ब्याज, या शास्ति, या दोनों के अधित्यजन हेतु आवेदन को अस्वीकार करने के लिए आदेश के विरुद्ध प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 में अपील दाखिल की जाती है, यदि—

(i) अपील प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि समुचित अधिकारी ने प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 में ब्याज, या शास्ति, या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन को गलत तरीके से अस्वीकार कर दिया है, उक्त अपील प्राधिकारी उक्त आवेदन को स्वीकार करते हुए और धारा 128क के अधीन कार्यवाही को समाप्त करते हुए सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-06 में आदेश पारित करेगा; या

(ii) अपील प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि समुचित अधिकारी ने प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 में ब्याज, या शास्ति, या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन को सही तरीके से अस्वीकार कर दिया है, धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) या खंड (ग) में उल्लिखित आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा दाखिल और धारा 128क की उपधारा (3) के अनुसार प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन दाखिल करने के लिए वापस ली गयी मूल अपील, यदि कोई हो, इस शर्त के अधधीन प्रत्यावर्तित की जाएगी कि आवेदक प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 में अपील प्राधिकारी द्वारा आदेश जारी करने की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर प्ररूप जीएसटी एसपीएल-08 में पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक वचनबंध दाखिल करता है, कि उसने अपील प्राधिकारी के उक्त आदेश के विरुद्ध न तो कोई अपील दाखिल की है और न ही दाखिल करने को आशायित है।

(16) ऐसे मामलों में जहां करदाता से धारा 128क की उपधारा (1) के दूसरे परंतुक के अनुसार कर देयता की अतिरिक्त रकम का संदाय करना अपेक्षित है और ऐसा अतिरिक्त संदाय उक्त परंतुक में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर नहीं किया जाता है, वहां प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-06 में जारी आदेश के अनुसार उक्त धारा के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों का अधित्यजन, यदि कोई हो, शून्य हो जाएगा।

(17) ऐसे मामलों में जहां करदाता से त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय से संबंधित किसी मांग के संबंध में या धारा 128क की उपधारा (1) में उल्लिखित अवधि से भिन्न अवधि से संबंधित मांग के कारण ब्याज, या शास्ति, या दोनों की कोई रकम का संदाय करना अपेक्षित है और ऐसी रकम का विवरण प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-06 में उल्लिखित किया गया है, आवेदक, यथास्थिति, प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-06 में आदेश जारी करने की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर ब्याज, या शास्ति, या दोनों की उक्त रकम का संदाय करेगा, और जहां उक्त रकम उक्त समयावधि के भीतर संदत्त नहीं की जाती है, प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-06 में जारी आदेश के अनुसार धारा 128क के अधीन ब्याज, या शास्ति, या दोनों का अधित्यजन शून्य हो जाएगा।

स्पष्टीकरण:- इस नियम के प्रयोजनों के लिए, इस नियम के अधीन आदेश जारी करने के लिए समुचित अधिकारी,-

(क) ऐसे मामलों में जहां ब्याज, या शास्ति, या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (क) में उल्लिखित नोटिस या कथन के संबंध में किया जाता है, धारा 73 के अनुसार आदेश जारी करने के लिए समुचित अधिकारी होगा; और

(ख) ऐसे मामलों में जहां ब्याज, या शास्ति, या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) या खंड (ग) में उल्लिखित आदेश के संबंध में किया जाता है, अधिनियम की धारा 79 में निर्दिष्ट समुचित अधिकारी होगा।”

प्ररूप जीएसटी
आरईजी-20 का
संशोधन

15-उक्त नियमावली में, प्ररूप जीएसटी आरईजी-20 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रख दिया जाएगा, अर्थात्:-

“प्ररूप जीएसटी आरईजी-20

[नियम 22 (4) देखें]

संदर्भ संख्या- जेडए 260821000033ए

तारीख: दिन/माह/वर्ष

सेवा में,

<करदाता का नाम >

<करदाता का पता >

जीएसटीआईएन/यूआईएन: <जीएसटीआईएनसंख्या>

कारण बताओ नोटिस संख्या: <एससीएन संख्या>

तारीख: दिन/माह/वर्ष

रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की कार्यवाही बंद करने का आदेश

इसका संदर्भ ऊपर निर्दिष्ट कारण बताओ नोटिस के उत्तर में एआरएन.....
तारीख..... द्वारा दाखिल आपके उत्तर से है। आपके उत्तर और/या सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किए गए निवेदनों पर विचार करने के पश्चात, रजिस्ट्रीकरण रद्द करने के लिए प्रारंभ की गई कार्यवाही निम्नलिखित कारणों से निरस्त मानी जाती है:

<<टेकस्ट>>

या

यह उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) के नियम 10क के उपबंधों के उल्लंघन के लिए संदर्भ संख्या <एससीएनसंख्या> तारीख: दिन/माह/वर्ष के द्वारा आरईजी-31 में जारी किए गए नोटिस के संदर्भ में है।

चूंकि आपने प्रणाली में सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत किया है, इसलिए रजिस्ट्रीकरण रद्द करने के लिए प्रारंभ की गई कार्यवाही समाप्त की जाती है।

या

यह उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 29 की उप-धारा (2) के खंड (ख) या खंड (ग) के उपबंधों के उल्लंघन के लिए संदर्भ संख्या <एससीएन> संख्या तारीख: दिन/माह/वर्ष के द्वारा आरईजी-31 में जारी किए गए नोटिस के संदर्भ में है। चूंकि आपने पूर्वोक्त नोटिस जारी होने की तारीख को देय सभी लंबित विवरणी दाखिल कर दी हैं, तथा स्व-निर्धारित कर का संदाय कर दिया है, इसलिए रजिस्ट्रीकरण रद्द करने के लिए प्रारंभ की गई कार्यवाही समाप्त की जाती है। रजिस्ट्रीकरण का निलंबन तारीख/माह/वर्ष से वापस लिया जाता है।

हस्ताक्षर

<अधिकारी का नाम>

पदनाम

अधिकारिता

स्थान:

तारीख:”.

16-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी आरईजी-31 में, पैरा 6 के पश्चात्, निम्नलिखित बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात:-

प्ररूप जीएसटी
आरईजी-31 का
संशोधन

“या

नियम 10क के उल्लंघन के कारण निलंबन

1. यह देखा गया है कि नियम 10क के उपबंधों के अनुसार, आपसे रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने से तीस दिनों के भीतर बैंक खाते का विवरण देना अपेक्षित है, आपने रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने की तारीख से तीस दिनों के भीतर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत नहीं किया है।

2. विसंगति या विषमता प्रथम दृष्टया उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) और तद्वीन बनायी गयी नियमावली के उपबंधों का उल्लंघन उपदर्शित करती हैं, यदि संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं किया जाता है, तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किये जाने का दायी होगा।

3. यह विचार करते हुए कि उपरोक्त विसंगति या विषमता गंभीर हैं और राजस्व हित के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं, तत्काल उपाय के रूप में, नियम 21क के निबंधनों में, इस संसूचना की तारीख से आपका रजिस्ट्रीकरण निलंबित किया जाता है।

4. तदनुसार, आपसे अनुरोध है कि आप सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करें या इस नोटिस की प्राप्ति से तीस दिनों के भीतर अधिकारिता रखने वाले कर अधिकारी को उत्तर प्रस्तुत करें, जिसमें उपरोक्त कथित विसंगति या विषमता या उल्लंघन का स्पष्टीकरण दिया गया हो। जीएसटी सामान्य पोर्टल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरह से आपके प्रत्यय पत्र का कोई भी संभावित दुरुपयोग भी विनिर्दिष्ट रूप से अधिकारिता वाले अधिकारी के ध्यान में लाया जा सकता है।

5. आपके द्वारा नियत समय के भीतर सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण का निलंबन हटा लिया जाएगा।

6. कृपया ध्यान दें कि यदि आप नियत समय के भीतर सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं या नियत समय के भीतर उत्तर प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जा सकता है।

अथवा

1. यह देखा गया है कि नियम 10क के उपबंधों के अनुसार, आपसे रजिस्ट्रीकरण प्राप्त होने के तीस दिनों के भीतर बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है। आपके द्वारा प्रस्तुत बैंक खाते के विवरण की जानकारी बैंक के पास उपलब्ध विवरण से मेल नहीं खा रही है।

2. ये विसंगति या विषमताएं प्रथम दृष्टया उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) और तद्वीन बनायी गयी नियमावली के उपबंधों का उल्लंघन उपदर्शित करती हैं, यदि संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं किया जाता है, तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किये जाने का दायी होगा।

3. यह विचार करते हुए कि उपरोक्त विसंगति या विषमता गंभीर हैं और राजस्व हित के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं, तत्काल उपाय के रूप में, नियम 21क के निबंधनों में, इस संसूचना की तारीख से आपका रजिस्ट्रीकरण निलंबित किया जाता है।

4. तदनुसार, आपसे अनुरोध है कि आप सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करें या इस नोटिस की प्राप्ति से तीस दिनों के भीतर अधिकारिता रखने वाले कर अधिकारी को उत्तर प्रस्तुत करें, जिसमें उपरोक्त कथित विसंगति या विषमता या उल्लंघन का स्पष्टीकरण दिया गया हो। जीएसटी सामान्य पोर्टल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरह से आपके प्रत्यय पत्र का कोई भी संभावित दुरुपयोग भी विनिर्दिष्ट रूप से अधिकारिता वाले अधिकारी के ध्यान में लाया जा सकता है।

5. नियत समय के भीतर सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात रजिस्ट्रीकरण का निलंबन हटा लिया जाएगा।

6. कृपया ध्यान दें कि यदि आप नियत समय के भीतर सामान्य पोर्टल पर बैंक खाते का विधिमान्य विवरण प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं या नियत समय के भीतर उत्तर देने में विफल रहते हैं तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जा सकता है।

अथवा

नियम 21 के उल्लंघन के कारण निलंबन

1. यह देखा गया है कि नियम 21 के खंड (ज) या खंड (झ) के उपबंधों के अनुसार, आपसे धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी दाखिल करना अपेक्षित है, आपने लगातार छह महीने या लगातार दो तिमाहियों तक विवरणी दाखिल नहीं की है।

2. ये विसंगति या विषमता प्रथम दृष्टया उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) और तद्वीन बनायी गयी नियमावली के उपबंधों का उल्लंघन उपदर्शित करती हैं, यदि इनका संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं किया गया तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किये जाने का दायी होगा।

3. यह विचार करते हुए कि उपरोक्त विसंगति या विषमता गंभीर हैं और राजस्व हित के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं, तत्काल उपाय के रूप में, नियम 21क के उपनियम (2क) के निबंधनों में, इस संसूचना की तारीख से आपका रजिस्ट्रीकरण निलंबित किया जाता है।

4. तदनुसार, आपसे अनुरोध है कि आप सामान्य पोर्टल पर धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी दाखिल करें या इस नोटिस की प्राप्ति से तीस दिनों के भीतर अधिकारिता रखने वाले कर अधिकारी को उत्तर प्रस्तुत करें, जिसमें उपरोक्त कथित विसंगति या विषमता या उल्लंघन का स्पष्टीकरण दिया गया हो। जीएसटी सामान्य पोर्टल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरह से आपके प्रत्यय पत्र का कोई संभावित दुरुपयोग भी विनिर्दिष्ट रूप से अधिकारिता वाले अधिकारी के ध्यान में लाया जा सकता है।

5. सामान्य पोर्टल पर धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी दाखिल करने के पश्चात रजिस्ट्रीकरण का निलंबन हटा लिया जाएगा।

6. कृपया ध्यान दें कि यदि आप नियत तारीख के भीतर सामान्य पोर्टल पर धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी दाखिल करने में विफल रहते हैं या नियत समय के भीतर उत्तर देने में विफल रहते हैं तो आपका रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जा सकता है।

17-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटीआर-9 की सारणी के भाग III की क्रम संख्या 8 में, क्रम संख्या क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रख दी जाएंगी, अर्थात्:-

प्ररूप
जीएसटीआर-9
का संशोधन

“क	जीएसटीआर-2 ख के अनुसार आईटीसी (उसकी सारणी 3)	< स्वतः>	< स्वतः>	< स्वतः>	<स्वतः> “।
----	--	----------	----------	----------	---------------

18-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी एपीएल-01 में 1 नवंबर, 2024 से,-

प्ररूप जीएसटी
एपीएल-01 का
संशोधन

(क) प्रविष्टि संख्या 15 में,-

(i) खंड (क) की सारणी के “विशिष्टियां” से संबंधित पहले स्तंभ में, “पूर्व-निक्षेप” से संबंधित मद (ख) में, कोष्ठक, अक्षर, शब्द और अंक “(ख) पूर्व-निक्षेप (विवादित कर/उपकर का 10% परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी या उपकर प्रत्येक के संबंध में 25 करोड़ रुपये से अनधिक या आईजीएसटी के संबंध में 50 करोड़ रुपये और उपकर के संबंध में 25 करोड़ रुपये से अनधिक)” के स्थान पर कोष्ठक, अक्षर, शब्द और अंक “(ख) पूर्व-निक्षेप (विवादित कर/उपकर का 10% परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी, उपकर प्रत्येक के संबंध में 20 करोड़ रुपये से अनधिक और आईजीएसटी के संबंध में 40 करोड़ रुपये से अनधिक)” रख दिए जाएंगे;

(ii) खंड (ख) के आरंभिक भाग में, कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षर “(विवादित कर और उपकर का 10% पूर्व-निक्षेप, परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी या उपकर प्रत्येक के संबंध में 25 करोड़ रुपये से अनधिक या आईजीएसटी के संबंध में 50 करोड़ रुपये और उपकर के संबंध में 25 करोड़ रुपये से अनधिक)” के स्थान पर, कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षर “(विवादित कर और उपकर का 10% पूर्व-निक्षेप, परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी, उपकर प्रत्येक के संबंध में 20 करोड़ रुपये से अनधिक और आईजीएसटी के संबंध में 40 करोड़ रुपये से अनधिक)” रख दिए जाएंगे।

19-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी एपीएल-05 में 1 नवंबर, 2024 से,-

प्ररूप जीएसटी
एपीएल-05 का
संशोधन

(क) प्रविष्टि संख्या 14 में,-

(i) सारणी के खंड (क) के “विशिष्टियां” से संबंधित पहले स्तंभ में, “पूर्व-जमा” से संबंधित मद (ख) में, कोष्ठक, अक्षर, शब्द और अंक “(ख) पूर्व-निक्षेप (विवादित कर/उपकर का 20% परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी या उपकर के संबंध में प्रत्येक 50 करोड़ रुपये से अनधिक या आईजीएसटी के संबंध में 100 करोड़ रुपये और उपकर के संबंध में 50 करोड़ रुपये से अनधिक)” के स्थान पर, कोष्ठक, अक्षर, शब्द और अंक “(ख) पूर्व-निक्षेप (विवादित कर/उपकर का 10% परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी, उपकर के संबंध में प्रत्येक 20 करोड़ रुपये से अनधिक और आईजीएसटी के संबंध में 40 करोड़ रुपये से अनधिक)” रख दिए जाएंगे;

(ii) खंड (ख) के आरंभिक भाग के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जाएगा, अर्थात्:-

“(ख) स्वीकृत रकम के संदाय और विवादित कर और उपकर के 10% की पूर्व निक्षेप, परन्तु सीजीएसटी, एसजीएसटी, उपकर के संबंध में प्रत्येक 20 करोड़ रुपये से अनधिक और आईजीएसटी के संबंध में 40 करोड़ रुपये से अनधिक।”।

प्ररूप जीएसटी
आईएनएस-01 का
संशोधन

20-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी आईएनएस-01 के पैरा (ग) में, शब्द और अंक "भारतीय दंड संहिता की धारा 179, 181, 191 और 418" के स्थान पर, शब्द, अंक और कोष्ठक "भारतीय न्याय संहिता, 2023 (अधिनियम संख्या 45 सन् 2023) की धारा 214, 216, 227 और धारा 318 की उपधारा (3)" रख दिए जाएंगे।

प्ररूप जीएसटी
डीआरसी-01क
का संशोधन

21-उक्त नियमावली के प्ररूप जीएसटी डीआरसी-01क में, 1 नवंबर, 2024 से,—
(क) शीर्षक में, अंक और कोष्ठक "73(5)/74(5)" के पश्चात अंक, अक्षर और कोष्ठक "/74क (8)/74क (9)" बढ़ा दिए जाएंगे।

(ख) भाग क में, —

(i) विषय वस्तु में, शब्द, अंक और कोष्ठक "धारा 73(5) /धारा 74(5)" के पश्चात अंक, अक्षर और कोष्ठक "/74क (8)/74क (9)" बढ़ा दिए जाएंगे;

(ii) पहले पैरा में, शब्द, अंक और कोष्ठक "धारा 73(5)/74(5) के अधीन" के पश्चात अंक, अक्षर और कोष्ठक "/74क (8)/74क (9)" बढ़ा दिए जाएंगे।

(iii) चौथे पैरा के पश्चात् निम्नलिखित बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात्: —

"या

आपको एतद्वारा ऊपर अभिनिश्चित कर की रकम का लागू ब्याज और शास्ति की रकम के साथ पूर्ण संदाय तारीख तक करने की सलाह दी जाती है, ऐसा करने में विफल होने पर धारा 74क की उपधारा (5) के खंड (1) के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (1) के अधीन कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

या

आपको ऊपर अभिनिश्चित कर की रकम का लागू ब्याज और शास्ति की रकम के साथ पूर्ण संदाय तारीख..... तक करने की सलाह दी जाती है, ऐसा करने में विफल होने पर धारा 74 क की उपधारा (5) के खंड (ii) के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (1) के अधीन कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।"

(ग) भाग ख में, पहले पैरा में, शब्द, अंक और कोष्ठक "धारा 73(5)/74(5) के अधीन" के पश्चात, अंक, अक्षर और कोष्ठक 74क (8)/74क (9)" बढ़ा दिए जाएंगे।

प्ररूप जीएसटी
एसपीएल 01,
जीएसटी
एसपीएल
02, जीएसटी 03,
जीएसटी एसपीएल
04, जीएसटी
एसपीएल 05,
जीएसटी
एसपीएल
06, जीएसटी
एसपीएल 07
और जीएसटी
एसपीएल 08
का बढ़ाया जाना

22-उक्त नियमावली में, प्ररूप एसबीवाई-06 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप 1 नवंबर, 2024 से बढ़ा दिए जाएंगे, अर्थात् :-

‘प्ररूप जीएसटी एसपीएल – 01

[नियम 164 (1) देखिए]

धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (क) में उल्लिखित सूचना या कथन के संबंध में उक्त धारा के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन
संदर्भ सं०..... तारीख :.....

सारणी 1

क्रम संख्या	विशिष्टियां		
1	क	जीएसटीआईएन/अस्थायी आईडी/यूआईएन	
	ख	कारबार का विधिक नाम (जैसा पीएएन नंबर में उल्लिखित है)	
	ग	मोबाइल नंबर	
	घ	ईमेल पता	
	ङ	पता	
	च	अधिकारिता	

सारणी 2

क्रम संख्या	सूचना के ब्यौरे
2	1 सूचना / कथन संख्या
	2 सूचना / कथन जारी करने की तारीख
	3 धारा, जिसके अधीन सूचना / कथन जारी किया गया है
	4 क्या सूचना/कथन के विरुद्ध उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के समक्ष कोई रिट याचिका फाइल की गई है
	5 यदि '4' में हां है, क्या रिट याचिका वापस लेने का आदेश जारी किया गया है?
	6 क्या सूचना/कथन में त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय की मांग सम्मिलित है

सारणी 3

(रकम रुपए में)

3	वित्तीय वर्ष	सूचना / कथन में मांग की गई रकम (क)						(क) में उल्लिखित रकम में से, केवल आईटीसी से संबंधित मांग, जिसे केवल धारा 16 (4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार किया गया है, न कि किसी अन्य आधार पर, और जो अब धारा 16 (5) या धारा 16(6), के अनुसार पात्र हो गई है।				
		(ख)										
	आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उपकर	उपकर सहित कुल कर	ब्याज	शास्ति	आई जी एस टी	सीजी एसटी	एसजी एसटी	उपकर	उपकर सहित कुल कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
योग												

सारणी 4

4	डीआरसी -03 के द्वारा संदत्त रकम					
	भुगतान संदर्भ सं०	आईजीएसटी	सीजीएसटी	एसजीएसटी	उपकर	उपकर सहित कुल कर
	1	2	3	4	5	6
		<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
		<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
	योग	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>

सारणी-5

5	<p>घोषणा:</p> <p>1-मैं वचन देता हूँ कि मैंने उक्त सूचना/कथन के विरुद्ध कोई रिट याचिका दाखिल नहीं की है।</p> <p>या</p> <p>मैं वचन देता हूँ कि यद्यपि मैंने उक्त सूचना/कथन के विरुद्ध रिट याचिका दाखिल की थी, मैंने उक्त रिट याचिका वापस ले ली है या उसे वापस लेने के लिए आवेदन दाखिल किया है तथा इस आवेदन के साथ वापसी आदेश या वापसी के लिए दायर आवेदन की प्रति संलग्न की है।</p> <p>2-अग्रतर, मैं समझता हूँ और सहमत हूँ कि धारा 128क के अधीन जारी, मांग कार्यवाही को समाप्त करने वाले आदेश के विरुद्ध भविष्य में किसी भी फोरम में कोई अपील दाखिल नहीं की जाएगी।</p> <p>3-मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा प्रदान की गई सभी जानकारी सटीक और सत्य हैं। मैं समझता हूँ कि किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से यह आवेदन शून्य हो जाएगा और लागू ब्याज और शास्ति के साथ बकाया देयों के लिए वसूली कार्यवाही हो सकती है।</p>
---	--

सारणी-6

6	<p>सत्यापन:</p> <p>मैं..... (प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम), घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मैं समझता हूँ कि किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से मेरा आवेदन शून्य हो जाएगा और धारा 128क के अधीन समस्त लाभ वापस ले लिए जाएँगे।</p>
---	--

सारणी-7

7	अपेक्षित दस्तावेज अपलोड करें
	सूचना/कथन की स्वप्रमाणित प्रति
	प्ररूप जीएसटी डीआरसी 03 के माध्यम से किए गए संदाय का प्रमाण
	रिट याचिका वापस लेने या रिट याचिका वापस लेने के लिए दाखिल आवेदन का प्रमाण (यदि वापसी का आदेश जारी नहीं किया गया है) (जहां लागू हो)
	कोई अन्य दस्तावेज (कृपया विनिर्दिष्ट करें)

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

नाम/पदनाम

ई-मेल पता

मोबाइल नंबर

अनुदेश:

- सारणी 2 की प्रविष्टि 1 से 6 में, आवेदक को उस सूचना/कथन का विवरण भरना होगा, जिसके विरुद्ध धारा 128 क के अधीन आवेदन किया गया है।
- यदि सूचना/कथन सामान्य पोर्टल पर उपलब्ध है, तो उसका आवेदन संदर्भ संख्या भरना होगा। यदि पोर्टल पर वह उपलब्ध नहीं है, तो मैन्युअल रूप से जारी की गई सूचना/कथन की संदर्भ संख्या भरनी होगी।
- सारणी 2 की प्रविष्टि 3 में, यदि सूचना/कथन प्रथम दृष्टया धारा 73 के अधीन जारी किया गया है, तो आवेदक को ड्रॉपडाउन से 'धारा 73' विकल्प चुनना होगा, तथा यदि सूचना प्रारंभ में धारा 74 के अधीन जारी की गई थी और बाद में धारा 75(2) के अनुसार अपील प्राधिकारी/अपील अधिकरण या न्यायालय के आदेश के आधार पर धारा 73 के अधीन जारी मानी गई थी, तो उसे 'धारा 75 (2) के साथ पठित धारा 74' विकल्प चुनना होगा।

- 4- सारणी 3क में, यदि सूचना/कथन सामान्य पोर्टल पर उपलब्ध है तो स्तंभ 2 से स्तंभ 8 स्वतः भरे जाएंगे। यदि यह पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, तो इसका विवरण आवेदक द्वारा मैन्युअल रूप से भरा जाना है।
- 5- धारा 16 की उपधारा (5) या उपधारा (6) के अनुसार संदेय न होने के कारण कटौती योग्य राशि की गणना, धारा 73 के अधीन, सूचना या कथन या आदेश के निबंधन में, यथास्थिति संदेय रकम से करते समय, आवेदक को यह सुनिश्चित करना अपेक्षित है कि ऐसी रकम केवल वहीं काटी जाए, जहां इनपुट कर प्रत्यय को केवल धारा 16 (4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार किया गया हो, और न कि किसी अन्य आधार पर।

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02

[नियम 164 (2) देखें]

धारा 128क की उपधारा (1) के खंड (ख) या खंड (ग) में उल्लिखित आदेश के संबंध में, उक्त धारा के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन के लिए आवेदन

संदर्भ संख्या:

सारणी-1

क्रम संख्या	विशिष्टियां		टिप्पणियां
1	क	जीएसटीआईएन/अस्थायी आईडी/यूआईएन	
	ख	कारबार का विधिक नाम (जैसा कि पीएन संख्या में उल्लिखित है)	<स्वतः>
	ग	मोबाइल नंबर	<स्वतः>
	घ	ई-मेल पता	<स्वतः>
	ङ	पता	<स्वतः>
	च	अधिकारिता	<स्वतः>

सारणी-2

2	क्रम संख्या	मांग आदेश के ब्यौरे	
	1	मांग आदेश संख्या	
	2	आदेश जारी करने की तारीख	
	3	धारा जिसके अधीन आदेश जारी किया गया है	ड्रॉप डाउन
	4	क्या अपील प्राधिकारी/अपील अधिकरण/उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के समक्ष आदेश के विरुद्ध कोई अपील या रिट याचिका फाइल की गई है	ड्रॉप डाउन
	5	यदि '4' में हाँ, क्या अपील या रिट याचिका वापस लेने का आदेश जारी किया गया है ?	ड्रॉप डाउन
	6	क्या मांग आदेश में त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय की मांग सम्मिलित है	ड्रॉप डाउन

सारणी-3

(रकम रु0 में)

3	वित्तीय वर्ष	आदेश में मांगी गई रकम (क)							(क) में उल्लिखित रकम में से केवल आईटीसी से संबंधित मांग, जिसे केवल धारा 16 (4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार किया गया है, न कि किसी अन्य आधार पर, और जो अब धारा 16 (5) या धारा 16 (6) के अनुसार पात्र हो गई है।				
		आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उप कर	उप कर सहित कुल कर	ब्याज	शास्ति	आई जी एस टी	सीजी एसटी	एस जी एस टी	उपकर	उपकर सहित कुल कर
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	कुल												

सारणी-4

4	सारणी 3 में उल्लिखित मांग आदेश के विरुद्ध भुगतान सुविधा के माध्यम से संदत्त रकम [जिनमें प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से संदत्त रकम और बाद में प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 क में आवेदन फाइल करने के माध्यम से समायोजित की गई रकम सम्मिलित करते हुए]							
	प्रत्यय प्रविष्टि संदर्भ सं.	प्ररूप जी एस टी डी आर सी-03 का संदर्भ संख्या (जहां लागू हो)	प्ररूप जी एस टी डी आर सी-03क का संदर्भ संख्या (जहां लागू हो)	आईजी एसटी	सीजी एसटी	एसजी एसटी	उपकर	उपकर सहित कुल कर
	1	2	3	4	5	6	7	8
				<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
				<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>
	कुल			<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>	<स्वतः>

सारणी-5

5	<p>घोषणा:</p> <p>1-मैं वचन देता हूँ कि मैंने उक्त आदेश के विरुद्ध कोई अपील या रिट याचिका दाखिल नहीं की है।</p> <p>या</p> <p>मैं वचन देता हूँ कि यद्यपि मैंने उक्त आदेश के विरुद्ध अपील/रिट याचिका दाखिल की थी, मैंने उक्त अपील/रिट याचिका वापस ले ली है (अथवा) मैंने उसे वापस लेने के लिए आवेदन फाइल किया है तथा इस आवेदन के साथ वापसी आदेश या वापसी के लिए फाइल आवेदन की प्रति संलग्न की है।</p> <p>2-अग्रतर, मैं समझता हूँ और सहमत हूँ कि भविष्य में किसी भी फोरम में धारा 128 क के अधीन जारी मांग कार्यवाही को समाप्त करने वाले आदेश के विरुद्ध कोई अपील दाखिल नहीं की जाएगी।</p> <p>3-मैं यह भी वचन देता हूँ कि धारा 128 क के अधीन जारी मांग कार्यवाही को समाप्त करने वाले आदेश के जारी होने पर इस प्ररूप की सारणी 2 में उल्लिखित आदेश के विरुद्ध कोई रिट दाखिल नहीं की जाएगी।</p> <p>4-यदि सारणी 2 में उल्लिखित आदेश के विरुद्ध विभाग द्वारा कोई आवेदन दाखिल किया जाता है/दाखिल किया गया है या यदि उक्त आदेश के विरुद्ध धारा 108 की उपधारा (1) के अधीन कोई कार्यवाही प्रारंभ की जाती है, और अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण या न्यायालय या पुनरीक्षण प्राधिकरण, जैसा भी मामला हो मेरे कर दायित्व को बढ़ाने वाला आदेश जारी करता है, तो मैं धारा 128 क की उपधारा (1) के दूसरे परंतुक के अनुसार, अपील प्राधिकारी या अपील अधिकरण या न्यायालय या पुनरीक्षण प्राधिकरण, जैसा भी मामला हो, के उक्त आदेश की तारीख से तीन माह के भीतर संदेय कर की अतिरिक्त रकम का संदाय करने का वचन देता हूँ।</p> <p>5-मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा दी गई सभी जानकारी सही और सत्य हैं। मैं समझता हूँ कि किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से यह आवेदन शून्य हो जाएगा और बकाया देय की लागू ब्याज और शास्ति के साथ वसूली की कार्यवाही की जाएगी।</p>
---	---

सारणी-6

6	<p>सत्यापन:</p> <p>मैं..... (प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम), एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मैं समझता हूँ कि किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से यह आवेदन शून्य हो जाएगा और धारा 128 क के अधीन दिए गए लाभ विधिमान्य नहीं होंगे।</p>
---	---

सारणी-7

7	<p>आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें</p> <p>आदेश की स्व प्रमाणित प्रति</p> <p>अपील/रिट याचिका वापस लेने का प्रमाण या अपील/रिट याचिका वापस लेने के लिए दाखिल आवेदन (यदि वापसी का आदेश जारी नहीं किया गया है) (जहां लागू हो)</p> <p>प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से मांग/संदत और प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03क के माध्यम से समायोजित संदाय का प्रमाण।</p> <p>कोई अन्य दस्तावेज (कृपया विनिर्दिष्ट करें)</p> <p>प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर नाम/पदनाम..... ई-मेल पता..... मोबाइल संख्या.....</p> <p>अनुदेश :</p> <p>1-सारणी 2 के स्तंभ 1 से 6 में, उस आदेश का विवरण जिसके विरुद्ध धारा 128 क के अधीन आवेदन फाइल किया गया है, आवेदक द्वारा भरा जाना आवश्यक है।</p> <p>2-यदि आदेश सामान्य पोर्टल पर उपलब्ध है, तो उसका एआरएन संख्या भरना आवश्यक है। यदि वह पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, तो मैन्युअल रूप से जारी किए गए आदेश का आदेश संख्या भरना होगा।</p>
---	--

- 3—सारणी 3 में, स्तंभ 2 से 8 स्वतः भरे जाएंगे, यदि आदेश सामान्य पोर्टल पर उपलब्ध है। यदि यह पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, तो आवेदक को इसका विवरण मैन्युअल रूप से भरना होगा।
- 4—इसी तरह, प्रत्यय प्रविष्टि (ईएलआर-भाग II में की गई) की संदर्भ संख्या सारणी 4 के स्तंभ 1 में भरी जानी आवश्यक है। यदि उक्त मांग आदेश के लिए किया जाने वाला संदाय मूल रूप से प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03 के माध्यम से किया गया था, और बाद में प्ररूप जीएसटी डीआरसी-03क में आवेदन फाइल करके समायोजित किया गया था, तो उसी के संदर्भ संख्या स्तंभ 2 और 3 में भरी जानी है, और शेष स्तंभ स्वतः भर दिए जाएंगे।
- 5—धारा 73 के अधीन नोटिस या कथन या आदेश के निबंधनों में संदेय रकम से धारा 16 की उप-धारा (5) या उप-धारा (6) के अनुसार संदेय न होने के कारण कटौती योग्य रकम की गणना करते समय, जैसा भी मामला हो, आवेदक को यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ऐसी रकम केवल तभी काटी जाए जब आईटीसी को केवल धारा 16 (4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार कर दिया गया हो, न कि किसी अन्य आधार पर।

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03

धारा 128क के अधीन फाइल किए गए आवेदन के उत्तर में नोटिस

[नियम 164 (8) देखें]

तारीख:.....

संदर्भ सं०

सेवा में,

आवेदक का जीएसटीआईएन.....

आवेदक का विधिक नाम

आवेदक का पता

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 या प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 का संदर्भ सं०.....

तारीख.....

विषय : धारा 128 क के अधीन फाइल किए गए आवेदन के उत्तर में नोटिस के संबंध में—

1—चूंकि, आपने धारा 128क के अधीन एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें आपने अपनी बकाया देय घोषित की है और ब्याज और शास्ति का अधित्यजन, प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01/प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में संदर्भ संख्या..... तारीख.....में मांगा है।

2—आपके आवेदन और उसमें दिए गए विवरण के सत्यापन के पश्चात, आपका आवेदन निम्नलिखित कारणों से अस्वीकार किये जाने का दायी है:—

—[कारण 1]

—[कारण 2]

अथवा/और

इस संदर्भ में, ऐसा प्रतीत होता है कि आपके द्वारा नीचे दी गई कर की रकम कम संदत्त की गई है:

मांग विवरण (क)						प्ररूप जीएसटी डीआरसी 03 (नोटिस कथन के मामले में) के माध्यम से मांग का भुगतान या आदेश के मामले में इलेक्ट्रॉनिक दायित्व रजिस्टर संदत्त करके मांग का भुगतान का विवरण											(क) में उल्लिखित रकम में से केवल आईटीसी से संबंधित मांग, जिसे केवल धारा 16(4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार किया गया है, किसी अन्य आधार पर नहीं और जो अब धारा 16 (5) या धारा 16 (6), यदि कोई हो, के अनुसार पात्र हो गई है।											मांग कम संदत्त				
नोटिस आईडी/आदेश आईडी नं०	वित्तीय अवधि	आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उप कर	उप कर सहित कुल कर	आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उप कर	उप कर सहित कुल कर	आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उप कर	उप कर सहित कुल कर	आई जी एस टी	सी जी एस टी	एस जी एस टी	उप कर	उप कर सहित कुल कर											
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22											
	ड्रॉप डाउन																															
	ड्रॉप डाउन																															

3-एतद्वारा आपसे अपने दावे के समर्थन में प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 में आवश्यक दस्तावेजों के साथ कारण बताने की अपेक्षा की जाती है कि आपका आवेदन संख्या..... तारीख..... को क्यों न अस्वीकार कर दिया जाए।

4-आपको [स्थान.....] पर [तारीख और समय.....] को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी दिया जाता है। आप अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए व्यक्तिगत रूप से या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित हो सकते हैं।

(हस्ताक्षर)

(कर अधिकारी का नाम)

(पद नाम)

(अधिकारिता)

संलग्नक अपलोड करें

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04

[नियम 164 (9) देखें]

नियम 164(8) के अधीन जारी नोटिस का उत्तर

तारीख.....

संदर्भ संख्या :

सेवा में,

समुचित अधिकारी.....

अधिकारिता

आवेदक का विधिक नाम

आवेदक का पता

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 की संदर्भ संख्या: तारीख.....

विषय: धारा 128क के अधीन फाइल आवेदन के संबंध में जारी नोटिस का उत्तर।

महोदय/महोदया,

यह आपके कार्यालय से सं०..... तारीख..... द्वारा प्ररूप जीएसटी एसपीएल-03 में जारी नोटिस के संदर्भ में है।

उत्तर निम्नानुसार है:

--

संलग्नक:

संदाय प्रमाण या अतिरिक्त प्रस्तुतियों के संबंध में निम्नलिखित दस्तावेज आपके संदर्भ के लिए संलग्न हैं:

- दस्तावेज 1: [करदाता दस्तावेज 1]
- दस्तावेज 2: [करदाता दस्तावेज 2]
- दस्तावेज 3: [करदाता दस्तावेज 3]

सत्यापन :

मैंएतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और घोषणा करता हूं कि यहां दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

(प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर)

(प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम)

(पदनाम/प्रास्थिति)

(तारीख)

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-05

[नियम 164 (10) देखें]

धारा 128क के अनुसार कार्यवाही के समापन के लिए आदेश

संदर्भ सं०.....

तारीख :.....

सेवा में,

आवेदक का जीएसटीआईएन

आवेदक का विधिक नाम

आवेदक का पता

संदर्भ सं० : प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01/प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02..... तारीख

विषय : धारा 128क के अधीन प्रस्तुत आवेदन के अनुमोदन के लिए आदेश

धारा 128क के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों की छूट का लाभ उठाने के लिए आपके अनुरोध के समर्थन में विवरण/जानकारी और दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए यह संदर्भ संख्या तारीख के साथ आपके आवेदन के संदर्भ में है।

या

धारा 128क के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन का लाभ उठाने के लिए आपके अनुरोध के समर्थन में विवरण/जानकारी और दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए यह संदर्भ संख्या..... तारीख के साथ आपके आवेदन और संदर्भ संख्या..... के साथ प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 में आपके उत्तर के संबंध में है।

2—आपके आवेदन में दिए गए विवरण और उत्तर के सत्यापन पर, जहां लागू हो, ब्याज या शास्ति या दोनों का अधित्यजन धारा 128क के अधीन निम्नानुसार अनुज्ञेय है:

3—मांग सूचना/मांग आदेश विवरण:

क—आदेश संख्या / नोटिस संख्या:

ख—आदेश/नोटिस की तारीख :

वि ती य व र्ष	नोटिस / कथन / आदेश में मांगी गई रकम जिसके विरुद्ध धारा 128क के अधीन आवेदन दायर किया गया था (क)							(क) उल्लिखित रकम में से, केवल आईटीसी से संबंधित मांग जिसे केवल धारा 16(4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार कर दिया गया है, न कि किसी अन्य आधार पर, और जो अब धारा16(5) या धारा 16(6) के अनुसार पात्र हो गई है।		उक्त नोटिस / विवरण / आदेश के लिए पहले से संदत्त रकम							धारा 128क के अनुसार अधित्यजि त ब्याज और शास्ति				आवेदक द्वारा देय ब्याज और शास्ति की शेष रकम, यदि कोई हो, [नियम 164 के उप-नियम (3) और उप-नियम (4) में संदर्भित मामलों में]	
	पूर्ति का स्थान (पी ओ एस)	अधि- नियम	उपकर सहित कर	व्याज	शास्ति	फीस	अन्य	उपकर सहित कर	पूर्ति का स्थान (पीओ एस)	अधि- नियम	उपकर सहित कर	व्याज	शास्ति	फीस	अन्य	व्याज	शास्ति	व्याज	शास्ति			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20		
			सीजी एसटी								सीजी एसटी											
			एसजी एसटी								एसजी एसटी											
			आईजी एसटी								आईजी एसटी											
			उपकर								उपकर											
	योग									योग												
			सीजी एसटी								सीजी एसटी											
			एसजी एसटी								एसजी एसटी											
			आईजी एसटी								आईजी एसटी											
			उपकर								उपकर											
	योग									योग												

(हस्ताक्षर)
(कर अधिकारी का नाम)
(पदनाम)
(अधिकारिता)

टिप्पण—किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से यह अनुमोदन शून्य हो जाएगा और लागू ब्याज और शास्ति के साथ बकाया देय रकम की वसूली की कार्यवाही हो सकती है।

प्ररूप जीएसटी एसपीएल -06**[नियम 164 (15) (ख) (i) देखें]****धारा 128क के अनुसार कार्यवाही के समापन के लिए आदेश**

संदर्भ सं०.....

सेवा में,

आवेदक का जीएसटीआईएन.....

आवेदक का विधिक नाम.....

आवेदक का पता

प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01/प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-01 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

विषय: धारा 128क के अधीन प्रस्तुत आवेदन के अनुमोदन के लिए आदेश

1-धारा 128क के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों के अधित्यजन का लाभ उठाने के लिए आपकी अपील के समर्थन में विवरण/जानकारी/निवेदन और दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए यह संदर्भ संख्या..... तारीख..... के साथ आपकी अपील के संदर्भ में है।

2-आपके आवेदन में दिए गए विवरण और उत्तर, जहां लागू हो, के सत्यापन पर धारा 128 क के अधीन ब्याज या शास्ति या दोनों की छूट निम्नानुसार अनुज्ञात की जाती है:

3-मांग सूचना/मांग आदेश विवरण :

क-आदेश संख्या/सूचना संख्या:

ख-आदेश/नोटिस की तारीख:

वित्तीय वर्ष		नोटिस / कथन / आदेश में मांगी गई रकम जिसके विरुद्ध धारा 128 क के अधीन आवेदन फाइल किया गया था (क)							(क) में उल्लिखित रकम में से, केवल आईटीसी से संबंधित मांग जिसे केवल धारा 16(4) के उल्लंघन के कारण अस्वीकार कर दिया गया है, न कि किसी अन्य आधार पर, और जो अब धारा 16(5) या धारा 16(6) के अनुसार पात्र हो गई है	उक्त नोटिस / कथन / आदेश के लिए पहले से संदत्त रकम							धारा 128क के अनुसार अधित्यजित व्याज और शास्ति की रकम माफ कर दी गई है			आवेदक द्वारा देय व्याज और शास्ति की शेष रकम, यदि कोई हो, [नियम 164 के उप-नियम (3) और उप-नियम (4) में संदर्भित मामलों में]	
		पूर्ति का स्थान (पीओ एस)	अधि-नियम	उपकर सहित कर	व्याज	शास्ति	फीस	अन्य	उपकर सहित कर	पूर्ति का स्थान (पीओएस)	अधि-नियम	उपकर सहित कर	व्याज	शास्ति	फीस	अन्य	व्याज	शास्ति	व्याज	शास्ति	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	
			सीजी एसटी								सीजी एसटी										
			एसजी एसटी								एसजी एसटी										
			आईजी एसटी								आईजी एसटी										
			उपकर								उपकर										
		योग								योग											

			सीजी एसटी								सीजी एसटी								
			एसजी एसटी								एसजी एसटी								
			आईजी एसटी								आईजी एसटी								
			उपकर								उपकर								
			योग								योग								

(हस्ताक्षर)
(अपील प्राधिकारी का नाम)
(पदनाम)
(अधिकारिता)

टिप्पण—

किसी भी गलत घोषणा या तथ्यों को छिपाने से यह अनुमोदन शून्य हो जाएगा और लागू ब्याज और शास्ति के साथ बकाया देय रकम की वसूली की कार्यवाही हो सकती है।

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07**[नियम 164 (12) देखें]**

धारा 128 क के अधीन प्रस्तुत आवेदन की अस्वीकृति के लिए आदेश

संदर्भ सं०.....

तारीख:.....

सेवा में,

आवेदक का जीएसटीआईएन.....

आवेदक का विधिक नाम.....

आवेदक का पता

संदर्भ निम्नलिखित के लिए आमंत्रित किया जाता है:

विशिष्टियाँ	संदर्भ संख्या	तारीख
प्ररूप जीएसटी एसपीएल -01 / प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 में आवेदन		
प्ररूप जीएसटी एसपीएल 03 में कारण बताओ नोटिस:		
कारण बताओ नोटिस का प्ररूप जीएसटी एसपीएल -04 में उत्तर:		

विषय: धारा 128क के अधीन प्रस्तुत आवेदन की अस्वीकृति के लिए आदेश

धारा 128क के अधीन ब्याज और शास्ति की छूट का लाभ उठाने के लिए आपके अनुरोध के समर्थन में विवरण/जानकारी और दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए संदर्भ संख्या..... तारीख के साथ यह आपके आवेदन के संदर्भ में है। ऊपर निर्दिष्ट सूचना आपको उन कारणों को स्पष्ट करने के लिए जारी किया गया था कि उक्त आवेदन को अस्वीकार क्यों नहीं किया जाना चाहिए, जिसके लिए आपने तारीख..... का उत्तर प्रस्तुत किया था/आपके द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया था।

2-परिचय:

3-निवेदन, यदि कोई हो:

4-निष्कर्ष:

सत्यापन के आधार पर धारा 128क के अधीन फाइल किया गया संदर्भ संख्या

तारीख..... के साथ आपका आवेदन एतद्वारा अस्वीकृत किया जाता है।

5-अस्वीकृति का सारांश:

आदेश संख्या/ नोटिस संख्या	अस्वीकृति का कारण
	<p><ड्राप डाउन></p> <p><ड्राप डाउन>में विकल्प</p> <ol style="list-style-type: none"> 1- पूर्ण संदाय नहीं किया गया । 2- धारा 128 क में अधिसूचित तारीख के बाद संदाय किया गया। 3- धारा 73 से भिन्न धाराओं से संबंधित सूचना /आदेश। 4- अपील प्राधिकारी/अपील अधिकरण/उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के समक्ष फाइल की गई अपील/रिट याचिका वापस नहीं ली गई । 5- अन्य, कृपया विनिर्दिष्ट करें।

(हस्ताक्षर)

(कर अधिकारी का नाम)

(पदनाम).....

(कार्यालय का नाम).....

(संपर्क जानकारी).....

प्ररूप जीएसटी एसपीएल-08

[नियम 164(15)(ख)(ii) देखें]

नियम 164(15)(ख)(ii) के अधीन प्रस्तुत वचनबंध

तारीख:

संदर्भ संख्या:

1-आवेदक का विधिक नाम

2-आवेदक का पता

3-आवेदक का जीएसटीआईएन.....

4-प्ररूप जीएसटी एसपीएल-02 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

5-प्ररूप जीएसटी एसपीएल-07 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

6-उपरोक्त क्रम संख्या 5 पर विनिर्दिष्ट प्ररूप जीएसटी एसपीएल -07 के संदर्भ के साथ पारित प्ररूप जीएसटी एसपीएल-04 की संदर्भ संख्या..... तारीख.....

7-मूल रूप से फाइल की गई लेकिन पश्चातवर्ती रूप से वापस ले ली गई अपील की संदर्भ संख्या..... तारीख

विषय: नियम 164 (15) (ख) (ii) के संबंध में प्रस्तुत वचनबंध।

महोदय/महोदया,

मैं ऊपर क्रम संख्या 6 में यथाविनिर्दिष्ट संदर्भ संख्या..... तारीख.....

..... वाले अपील प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपील फाइल नहीं करने का वचन देता हूँ और तदनुसार मैं उपरोक्त क्रम संख्या 7 में यथाविनिर्दिष्ट संदर्भ संख्या..... तारीख..... द्वारा फाइल की गई अपनी अपील को पुनः बहाल करने की प्रार्थना करता हूँ।

मैंएतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

(प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर)

(प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम)

(पदनाम/प्रास्थिति)

(तारीख)

आज्ञा से,

एम0 देवराज,

प्रमुख सचिव।

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government Notification no.-70/XI-2-25-9(42)/17-T.C.71-U.P.GST Rules-2017-Order-(336)-2025, dated; 24 March, 2025:

No.-70/XI-2-25-9(42)/17-T.C.71-U.P.GST Rules-2017-Order-(336)-2025

Dated Lucknow, March 24, 2025

IN exercise of the powers conferred by Section 164 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017) read with Section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (Act no. 1 of 1904), the Governor, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules to further amend the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

The Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Sixty-fifth Amendment)

Rules, 2025

1.(1) These rules may be called the Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Sixty-fifth Amendment) Rules, 2025. Short title and commencement

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall be deemed to have come into force from the 8th day of October, 2024.

2.In the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 36, in sub-rule (3), after the words “suppression of facts”, the words and figures “under section 74” shall be *inserted*. Amendment of rule 36

3.In the said rules, in rule 46, with effect from 1st day of November, 2024,— Amendment of rule 46

(a) after clause (s), the second proviso shall be *omitted*;

(b) in the third proviso, for the words “Provided also that in the case of”, the words “Provided further that in the case of” shall be *substituted*;

Insertion of rule 47 A	<p>4. In the said rules, <i>after</i> rule 47, the following rule shall be <i>inserted</i> with effect from the 1st day of November, 2024, namely:-</p> <p>“47A. Time limit for issuing tax invoice in cases where recipient is required to issue invoice.— Notwithstanding anything contained in rule 47, where an invoice referred to in rule 46 is required to be issued under clause (f) of sub-section (3) of section 31 by a registered person, who is liable to pay tax under sub-section (3) or sub-section (4) of section 9, he shall issue the said invoice within a period of thirty days from the date of receipt of the said supply of goods or services, or both, as the case may be.”.</p>
Amendment of rule 66	<p>5. In the said rules, in rule 66, in sub-rule (1), <i>after</i> the word, letters and figure “FORM GSTR-7”, the words “, on or before the tenth day of the month succeeding the calendar month,” shall be <i>inserted</i> with effect from the 1st day of November, 2024.</p>
Amendment of rule 86	<p>6. In the said rules, in rule 86, in sub-rule (4B), in clause (b), the words, brackets and figures “in contravention of sub-rule (10) of rule 96,” shall be <i>omitted</i>.</p>
Amendment of rule 88B	<p>7. In the said rules, in rule 88B, in sub-rule (1), <i>after</i> the word and figures “or section 74”, the words, figures and letter “or section 74A” shall be <i>inserted</i> with effect from the 1st day of November, 2024.</p>
Amendment of rule 88D	<p>8. In the said rules, in rule 88D, in sub-rule (3), <i>after</i> the words and figures “or section 74”, the words, figures and letter “or section 74A” shall be <i>inserted</i> with effect from the 1st day of November, 2024.</p>
Amendment of rule 89	<p>9. In the said rules, in rule 89,—</p> <p>(a) in sub-rule (4),—</p> <p>(i) in clause (B), the words, brackets, figures and letters “other than the input tax credit availed for which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both” shall be <i>omitted</i>;</p> <p>(ii) in clause (C), the words, brackets, figures and letters “, other than the turnover of supplies in respect of which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both” shall be <i>omitted</i>;</p> <p>(iii) in clause (E), for the long line beginning with the word “excluding” and ending with the words “during the relevant period”, the words “excluding the value of exempt supplies other than zero-rated supplies during the relevant period” shall be <i>substituted</i>;</p> <p>(b) sub-rules (4A) and (4B) shall be <i>omitted</i>;</p> <p>(c) in sub-rule (5), in the <i>Explanation</i>, in clause (a), the words, brackets, figures and letters “ other than the input tax credit availed for which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both” shall be <i>omitted</i>.</p>
Amendment of rule 96	<p>10. In the said rules, in rule 96, sub-rule (10) shall be <i>omitted</i>.</p>
Amendment of rule 96B	<p>11. In the said rules, in rule 96B, in sub-rule (1), <i>for</i> the words and figures “section 73 or 74” the words, figures and letters “section 73 or section 74 or section 74A” shall be <i>substituted</i> with effect from the 1st day of November, 2024.</p>
Amendment of rule 121	<p>12. In the said rules, in rule 121, <i>for</i> the words and figures “proceedings under section 73 or, as the case may be, section 74”, the words, figures and letter “proceedings under section 73 or section 74 or section 74A, as the case may be,” shall be <i>substituted</i> with effect from 1st day of November, 2024.</p>
Amendment of rule 142	<p>13. In the said rules, in rule 142 with effect from the 1st day of November, 2024,—</p> <p>(a) in sub-rule (1),—</p> <p>(i) in clause (a), <i>after</i> the words and figures “or section 74”, the words, figures and letter “or section 74A” shall be <i>inserted</i>;</p> <p>(ii) in clause (b), <i>after</i> the words and figures “of section 74”, the words,</p>

brackets, figures and letter “or sub-section (3) of section 74A” shall be *inserted*.

(b) in sub-rule (1A), *after* the words and figures “of section 74”, the words, brackets, figures and letter “or sub-section (1) of section 74A” shall be *inserted*;

(c) in sub-rule (2), *for* the words, brackets and figures “or, as the case may be, tax, interest and penalty in accordance with the provisions of sub section (5) of section 74”, the words, brackets, figures and letters “or clause (i) of sub-section (8) of section 74A, as the case may be, or tax, interest and penalty in accordance with the provisions of subsection (5) of section 74 or clause (i) of sub-section (9) of section 74A” shall be *substituted*;

(d) in sub-rule (2B), *after* the words and figures “or section 74”, the words, figures and letter “or section 74A” shall be *inserted*;

(e) *for* sub-rule (3), the following sub-rule shall be *substituted*, namely: –

“(3) Where the person chargeable with tax makes payment of tax and interest under sub-section (8) of section 73 or under clause (ii) of sub-section (8) of section 74A, as the case may be, or tax, interest and penalty under sub-section (8) of section 74 or under clause (ii) of sub-section (9) of section 74A, as the case may be, within the period specified therein, or where the person concerned makes payment of the amount referred to in sub-section (1) of section 129 within seven days of the notice issued under sub-section (3) of that Section but before the issuance of order under the said sub-section (3), he shall intimate the proper officer of such payment in FORM GST DRC-03 and the proper officer shall issue an intimation in FORM GST DRC-05 concluding the proceedings in respect of the said notice.”;

(f) in sub-rule (4), *after* the words and figures “of section 74”, the words, brackets, figures and letters “or sub-section (6) of section 74A” shall be *inserted*.

(g) in sub-rule (5), *after* the words and figures “or section 74”, the words, figure and letters “or section 74A” shall be *inserted*.

14. In the said rules, *after* rule 163, the following rule shall be *inserted* with effect from the 1st day of November, 2024, namely: -

Insertion of
rule 164

“164. Procedure and conditions for closure of proceedings under section 128A in respect of demands issued under section 73.— (1) Any person who is eligible for waiver of interest, or penalty, or both in respect of a notice or a statement mentioned in clause (a) of sub-section (1) of section 128A, may file an application electronically in **FORM GST SPL-01** on the common portal, providing the details of the said notice or the statement, as the case may be, along with the details of the payments made in **FORM GST DRC-03** towards the tax demanded.

(2) Any person who is eligible for waiver of interest, or penalty, or both, in respect of orders mentioned in clauses (b) and (c) of sub-section (1) of section 128A, may file an application electronically in **FORM GST SPL-02** on the common portal, providing the details of the said order, along with the details of the payments made towards the tax demanded:

Provided that the payment towards such tax demanded shall be made only by crediting the amount in the electronic liability register against the debit entry created by the said order:

Provided further that if the payment towards such tax demanded has been made through **FORM GST DRC-03**, an application in **FORM GST DRC-03A**, as prescribed in sub-rule (2B) of rule 142, shall be filed by the said person for credit of the said amount in the Electronic Liability Register against the debit entry created for the said demand, before filing the application in **FORM GST SPL-02**.

(3) Where the notice or statement or order mentioned in sub-section (1) of section 128A includes demand of tax, partially on account of erroneous refund and partially for other reasons, an application under sub-rule (1) or sub-rule (2) may be filed only after payment of the full amount of tax demanded in the said notice or statement or order, on or before the date notified under the said sub-section.

(4) Where the notice or statement or order mentioned in sub-section (1) of section 128A includes demand of tax, partially for the period mentioned in the said sub-section and partially for the period other than that mentioned in the said sub-section, an application under sub-rule (1) or sub-rule (2) may be filed only after payment of the full amount of tax demanded in the said notice or statement or order, on or before the date notified under the said sub-section.

(5) The amount payable under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be the amount that remains payable, after deducting the amount not payable in accordance with sub-section (5) or sub-section (6) of section 16, from the amount payable in terms of the notice or statement or order under section 73, as the case may be.

(6) Any person who wishes to file an application under sub-rule (1) or sub-rule (2), may do so within a period of three months from the date notified under sub-section (1) of section 128A:

Provided that where an application in **FORM GST SPL-02** is to be filed in cases referred to in the first proviso to sub-section (1) of section 128A, the time limit for filing the said application shall be six months from the date of communication of the order of the proper officer redetermining such tax under section 73.

(7) The application under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be accompanied by documents evidencing withdrawal of appeal or writ petition, if any, filed before any Appellate Authority, or Tribunal or Court, as the case may be, to establish that the applicant is eligible for the waiver of interest or penalty or both, in terms of section 128A:

Provided that where the applicant has filed an application for withdrawal of an appeal or writ petition filed before the Appellate Authority or Appellate Tribunal or a court, as the case may be, but the order for withdrawal has not been issued by the concerned authority till the date of filing of the application under sub-rule (1) or sub-rule (2), the applicant shall upload the copy of such application or document filed for withdrawal of the said appeal or writ petition along with the application under sub-rule (1) or sub-rule (2), and shall upload the copy of the order for withdrawal of the said appeal or writ petition on the common portal, within one month of the issuance of the said order for withdrawal by the concerned authority.

(8) Where the proper officer is of the view that the application made in **FORM GST SPL-01** or **FORM GST SPL-02** is liable to be rejected as not being eligible for waiver of interest, or penalty, or both, as per section 128A, he shall issue a notice on the common portal to the applicant in **FORM GST SPL-03** within three months from the date of receipt of the said application and shall also give the applicant an opportunity of being heard.

(9) On receiving the notice under sub-rule (8), the applicant may file a reply to the said notice on the common portal in **FORM GST SPL-04**, within a period of one month from the date of receipt of the said notice.

(10) If the proper officer is satisfied that the applicant is eligible for waiver of interest and penalty as per section 128A, he shall issue an order in **FORM GST SPL-05** on the common portal accepting the said application and concluding the proceedings under section 128A.

(11) In cases where the order in **FORM GST SPL-05** is issued by the proper officer under sub-rule (10).—

(a) in respect of an application filed in **FORM GST SPL-01** pertaining to a notice or statement referred to in clause (a) of sub-section (1) of section 128A, the summary of order in **FORM GST DRC-07** as per sub-rule (5) of rule 142 shall not be required to be issued by the proper officer, in respect of the said notice or statement;

(b) in respect of an application filed in **FORM GST SPL-02** pertaining to an order referred to in clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of section 128A, the liability created in the part II of Electronic Liability Register, shall be modified accordingly.

(12) If the proper officer is not satisfied with the reply of the applicant, the proper officer shall issue an order in **FORM GST SPL-07** rejecting the said application.

(13) (a) In cases where notice in **FORM GST SPL-03** has not been issued, the proper officer shall issue the order under sub-rule (10) within a period of three months from the date of receipt of the application in **FORM GT SPL-01** or **FORM GST SPL-02**, as the case may be.

(b) In cases where notice in **FORM GST SPL-03** has been issued, the proper officer shall issue the order in sub-rule (10) or sub-rule (12) within a period of three months from the date of receipt of reply of the applicant in **FORM GST SPL-04**, or within a period of four months from the date of issuance of notice in **FORM GST SPL-03** where no reply is received from the applicant.

Explanation.— For the purposes of this sub-rule, in cases referred to in the proviso to sub-rule (7), the time period from the date of filing of the application under sub-rule (1) or sub-rule (2) till the date of submission of the order for withdrawal of the appeal or the writ, as the case may be, shall not be included while calculating the time period under clause (a) or clause (b) of this sub-rule.

(14) If no order is issued by the proper officer within the time limit specified in sub-rule (13), then the application in **FORM GST SPL-01** or **FORM GST SPL-02**, as the case may be, shall be deemed to be approved and the proceedings shall be deemed to be concluded.

(15) (a) In cases where no appeal is filed against the order in **FORM GST SPL-07** within the time period specified in sub-section (1) of section 107, the original appeal, if any, filed by the applicant against the order mentioned in clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of section 128A, and withdrawn for filing the application in **FORM GST SPL-02** in accordance with sub-section (3) of section 128A, shall be restored.

(b) In cases where an appeal is filed against the order in **FORM GST SPL-07** for rejection of application for waiver of interest, or penalty, or both, if—

(i) the appellate authority has held that the proper officer has wrongly rejected the application for waiver of interest, or penalty, or both, in **FORM GST SPL-07**, the said appellate authority shall pass an order in **FORM GST SPL-06** on the common portal accepting the said application and concluding the proceedings under section 128A; or

(ii) the appellate authority has held that the proper officer has rightly rejected the application for waiver of interest, or penalty, or both, in **FORM GST SPL-07**, the original appeal, if any, filed by the applicant against the order mentioned in clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of section 128A, and withdrawn for filing the application in **FORM GST SPL-02** in accordance with sub-section (3) of section 128A, shall be restored, subject to condition that the applicant files an undertaking electronically on the portal in **FORM GST SPL-08**, within a period of three months from the date of issuance of the order by the appellate authority in **FORM GST APL-04**, that he has neither filed nor intends to file any appeal against the said order of the Appellate Authority.

(16) In cases where the taxpayer is required to pay an additional amount of tax liability as per the second proviso to sub-section (1) of section 128A, and such additional payment is not made within the time limit specified in the said proviso, the waiver of interest, or penalty, or both, under the said section as per the order issued in **FORM GST SPL-05** or **FORM GST SPL-06**, if any, shall become void.

(17) In cases where the taxpayer is required to pay any amount of interest, or penalty, or both, in respect of any demand pertaining to erroneous refund or on account of demand pertaining to the period other than the period mentioned in sub-section (1) of section 128A, and the details of such amount have been mentioned in **FORM GST SPL-05** or **FORM GST SPL-06**, the applicant shall pay the said amount of interest, or penalty, or both, within a period of three months from the date of issuance of the order in **FORM GST SPL-05** or **FORM GST SPL-06**, as the case may be, and where the said amount is not paid within the said time period, the waiver of interest, or penalty, or both, under section 128A as per the order issued in **FORM GST SPL-05** or **FORM GST SPL-06**, shall become void.

Explanation.— For the purposes of this rule, the proper officer for issuance of order under this rule,—

(a) in cases where the application for waiver of interest, or penalty, or both is made with respect to a notice or statement mentioned in clause (a) of sub-section (1) of section 128A, shall be the proper officer for issuance of order as per section 73; and

(b) in cases where the application for waiver of interest, or penalty, or both, is made with respect to an order mentioned in clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of section 128A, shall be the proper officer referred to in section 79 of the Act.”.

Amendment of
Form GST
REG-20

15. In the said rules, *for* **FORM GST REG-20**, the following form shall be *substituted*, namely: -

“Form GST REG-20

[See rule 22(4)]

Reference No.- ZA260821000033A

Date: DD/MM/YYYY

To

<Taxpayer Name >

<Taxpayer Address >

GSTIN/ UIN: <GSTIN number >

Show Cause Notice No.: <SCN number >

Date: DD/MM/YYYY

Order for Dropping the Proceedings for Cancellation of Registration

This has reference to your reply filed *vide* ARN ----- dated in response to the show cause notice referred to above. Upon consideration of your reply and/or submissions made during hearing, the proceedings initiated for cancellation of registration stands vacated for the following reasons:-

<<text>>

Or

This is in reference to Notice issued in REG-31 *vide* Reference Number <SCN number> dated DD/MM/YYYY for contravention of provisions of rule 10A of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017). Since you have furnished the valid details of bank account on the common portal in the system, the proceedings initiated for cancellation of registration are hereby dropped.

Or

This is in reference to Notice issued in REG-31 *vide* Reference Number <SCN number> dated DD/MM/YYYY, for contravention of the provisions of clause (b) or clause (c) of sub-section (2) of section 29 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017). Since you have filed all the pending returns which were due on the date of issue of the aforesaid notice, and have made payment of self-assessed tax, the proceedings initiated for cancellation of registration are hereby dropped.

Suspension of the registration stands revoked with effect from DD/MM/YYYY

Signature

Designation

Jurisdiction Place:

< Name of the Officer>

Date:”.

16. In the said rules, in FORM GST REG-31, *after* paragraph 6, the following shall be *inserted*, namely: -

Amendment of
FORM GST
REG-31

“OR

SUSPENSION DUE TO VIOLATION OF RULE 10A

1. It has been noticed that as per the provisions of rule 10A, requiring you to furnish the details of bank account within thirty days from the grant of registration, you have not furnished the valid details of bank account within thirty days from the date of grant of registration.

2. The discrepancies or anomalies *prima facie* indicate contravention of the provisions of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no 1 of 2017) and the rules made thereunder, such that if not explained satisfactorily, shall make your registration liable to be cancelled.

3. Considering that the above discrepancies or anomalies are grave and pose a serious threat to interest of revenue, as an immediate measure, your registration stands suspended, with effect from the date of this communication, in terms of rule 21A.

4. Accordingly, you are requested to furnish the valid details of bank account on the common portal or submit a reply to the jurisdictional tax officer within thirty days from the receipt of this notice, providing explanation to the above stated discrepancy or anomaly or contravention. Any possible misuse of your credentials on GST common portal, by any person, in any manner, may also be specifically brought to the notice of jurisdictional officer.

5. The suspension of registration shall be lifted after you furnish the valid details of bank account on the common portal within stipulated time.

6. You may please note that your registration may be cancelled in case you fail to furnish the valid details of bank account on the common portal within stipulated time or fail to furnish a reply within the stipulated time.

OR

1. It has been noticed that as per the provisions of rule 10A, requiring you to furnish the details of bank account within thirty days from the grant of registration. The information regarding bank account details furnished by you are not matching with the details available with bank.

2. These discrepancies or anomalies *prima facie* indicate contravention of the provisions of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017) and the rules made thereunder, such that if not explained satisfactorily, shall make your registration liable to be cancelled.

3. Considering that the above discrepancies or anomalies are grave and pose a serious threat to interest of revenue, as an immediate measure, your registration stands suspended, with effect from the date of this communication, in terms of rule 21A.

4. Accordingly, you are requested to furnish the valid details of bank account on the common portal or submit a reply to the jurisdictional tax officer within thirty days from the receipt of this notice, providing explanation to the above stated discrepancy or anomaly or contravention. Any possible misuse of your credentials on GST common portal, by any person, in any manner, may also be specifically brought to the notice of jurisdictional officer.

5. The suspension of registration shall be lifted after you furnish the valid details of bank account on the common portal within stipulated time.

6. You may please note that your registration may be cancelled in case you fail to furnish the valid details of bank account on the common portal within stipulated time or fail to furnish a reply within the stipulated time.

OR

SUSPENSION DUE TO VIOLATION OF RULE 21

1. It has been noticed that as per the provisions of clause (h) or clause (i) of rule 21, requiring you to file return under sub-section (1) of section 39, have not furnished for a continuous period of six months or for a continuous period of two quarters.

2. These discrepancies or anomalies *prima facie* indicate contravention of the provisions of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017) and the rules made thereunder, such that if not explained satisfactorily, shall make your registration liable to be cancelled.

3. Considering that the above discrepancies or anomalies are grave and pose a serious threat to interest of revenue, as an immediate measure, your registration stands suspended, with effect from the date of this communication, in terms of sub-rule (2A) of rule 21A.

4. Accordingly, you are requested to file return under sub-section (1) of section 39 on the common portal or submit a reply to the jurisdictional tax officer within thirty days from the receipt of this notice, providing explanation to the above stated discrepancy or anomaly or contravention. Any possible misuse of your credentials on GST common portal, by any person, in any manner, may also be specifically brought to the notice of jurisdictional officer.

5. The suspension of registration shall be lifted after you file the returns under sub-section (1) of section 39 on the common portal.

6- You may please note that your registration may be cancelled in case you fail to file returns under sub-section (1) of section 39 on the common portal within stipulated date or fail to furnish a reply within the stipulated time.”

17. In the said rules, in **FORM GSTR-9**, in the table, in Pt. III, in serial number 8, *for* serial number A and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be *substituted*, namely: -

Amendment of
FORM GSTR-9

“A	ITC as per GSTR-2B (table 3 thereof)	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>”
----	---	--------	--------	--------	---------

18. In the said rules, in **FORM GST APL-01**, with effect from the 1st day of November, 2024,–

Amendment of
FORM GST
APL-01

(a) in entry number 15,–

(i) in clause (a), in the Table, in the first column relating to “Particulars”, in item (b) relating to “pre-deposit”, *for* the brackets, letters, words and figures “(b) Pre- deposit (10% of disputed tax /cess but not exceeding Rs. 25 crore each in respect of CGST, SGST or cess or not exceeding Rs.50 crore in respect of IGST and Rs. 25 crore in respect of cess)”, the brackets, letters, words, and figures “(b) Pre- deposit (10% of disputed tax /cess but not exceeding Rs. 20 crore each in respect of CGST, SGST, cess, and not exceeding Rs. 40 crore in respect of IGST)” shall be *substituted*;

(ii) in clause (b), in the opening portion, *for* the brackets, words, figures and letters “(pre-deposit 10% of disputed tax and cess but not exceeding Rs. 25 crore each in respect of CGST, SGST or cess or not exceeding Rs.50 crore in respect of IGST and Rs. 25 crore in respect of cess)”, the brackets, words, figures and letters “(pre- deposit 10% of disputed tax and cess but not exceeding Rs. 20 crore each in respect of CGST, SGST, cess, and not exceeding Rs. 40 crore in respect of IGST)” shall be *substituted*.

19. In the said rules, in **FORM GST APL-05**, with effect from the 1st day of November, 2024,–

Amendment of
FORM GST
APL-05

(a) in entry number 14,–

(i) in clause (a), in the Table, in the first column relating to “Particulars”, in item (b) relating to “pre-deposit”, *for* the brackets, letter, words and figures “(b) Pre- deposit (20% of disputed tax /cess but not exceeding Rs. 50 crore each in respect of CGST, SGST or cess or not exceeding Rs.100 crore in respect of IGST and Rs. 50 crore in respect of cess)”, the brackets, letters, words and figures “(b) Pre- deposit (10% of disputed tax /cess but not exceeding Rs. 20 crore each in respect of CGST, SGST, cess, and not exceeding Rs. 40 crore in respect of IGST)” shall be *substituted*;

(ii) in clause (b), *for* the opening portion, the following shall be *substituted*, namely: -

“(b) Details of payment of admitted amount and pre-deposit of 10% of the disputed tax and cess but not exceeding Rs. 20 crore each in respect of CGST, SGST, cess and not exceeding Rs. 40 crore in respect of IGST.”.

Amendment of
FORM GST
INS-01

20. In the said rules, in **FORM GST INS-01**, in paragraph (C), for the words and figures “section 179, 181, 191 and 418 of the Indian Penal Code”, the words, figures and brackets “section 214, 216, 227 and sub-section (3) of section 318 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 (45 of 2023)” shall be *substituted*.

Amendment of
FORM GST
DRC-01A

21. In the said rules, in **FORM GST DRC-01A**, with effect from the 1st day of November, 2024, —

(a) in the heading, *after* the figures and brackets “73(5)/74(5)”, the figures, letters, and brackets “/74A (8)/ 74A (9)” shall be *inserted*;

(b) in PART A , —

(i) in the subject, *after* the words, figures and brackets “section 73(5)/section 74(5)”, the figures, letters and brackets “/74A (8)/ 74A(9)” shall be *inserted*;

(ii) in the first paragraph, *after* the words, figures and brackets “under section 73(5) / 74(5)”, the figures, letters and brackets “/74A (8)/ 74A(9)” shall be *inserted*;

(iii) *after* the fourth paragraph, the following shall be *inserted*, namely: —

“OR

You are hereby advised to pay the amount of tax as ascertained above along with the amount of applicable interest in full by, failing which Show Cause Notice will be issued under sub-section (1) of section 74A *read* with clause (i) of sub-section (5) of the said section.

OR

You are hereby advised to pay the amount of tax as ascertained above along with the amount of applicable interest and penalty in full by, failing which Show Cause Notice will be issued under sub-section (1) of Section 74A *read* with clause (ii) of sub-section (5) of the said section.”

(c) in PART B, in the first paragraph, *after* the words, figures and brackets “under section 73(5) / 74(5)”, the figures, letters and brackets “/74A (8)/ 74A (9)” shall be *inserted*.

Insertion of
Forms

GST SPL-01,
GST SPL-02,
GST SPL-03,
GST SPL-04,
GST SPL-05,
GST SPL-06,
GST SPL-07
and GST SPL-
08

22. In the said rules, *after* **FORM SBY-06**, the following forms shall be inserted with effect from the 1st day of November, 2024, namely: -

‘FORM GST SPL – 01

[See rule 164(1)]

**Application for waiver of interest or penalty or both under section 128A
in respect of a notice or a statement mentioned in clause (a) of sub-section (1) of
the said section**

Reference No.

Date:

TABLE -1

S.No.	Particulars		
1	a	GSTIN-Temporary ID/UIN	
	b	Legal Name of the Business (As mentioned in PAN No.)	
	c	Mobile Number	
	d	Email Address	
	e	Address	
	f	Jurisdiction	

TABLE -2

2	S. No.	Details of the notice	
	1	Notice / Statement No.	
	2	Date of issuance of notice/ statement	
	3	Section under which notice/ statement is issued	Drop down
	4	Whether any writ petition is filed against the notice/ statement before High Court/ Supreme Court	Drop down
	5	If Yes in '4', whether the order for withdrawal of writ petition is issued?	Drop down
	6	Whether notice/ statement involves demand of erroneous refunds	Drop down

TABLE -3

(Amount in Rs.)

3	Fina- ncial	Amount demanded in notice/ statement (A)							Out of amount mentioned in (A), demand pertaining only to ITC which has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds, and which has now become eligible as per section 16(5) or section 16(6), if any. (B)					
	Year	IGST	CGST	SGST	CESS	Total Tax including Cess	Interest	Penalty	IGST	CGST	SGST	CESS	Total Tax including Cess	
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
TOTAL														

Table 4

4	Amount paid through DRC -03				
	Payment Reference No.	IGST	CGST	SGST	CESS
	1	2	3	4	5
		<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>
		<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>
	TOTAL	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>

Table 5

5	<u>Declaration:</u>
	1. I undertake that, I have not filed any writ petition against the said notice/ statement.
	OR
	I undertake that though I had filed a writ petition against the said notice/ statement, I have withdrawn the said writ petition or filed an application for withdrawal of the same and have attached the copy of withdrawal order or the application filed for withdrawal, with this application.
	2. Further, I understand and agree that no appeal shall be filed against the order concluding demand proceedings, issued under section 128A, in any forum in the future.
	3. I declare that all information provided by me is accurate and truthful. I understand that any incorrect declaration or suppression of facts will render this application void and may lead to recovery proceedings for the outstanding dues along with applicable interest and penalties.

Table 6

6	<u>Verification:</u>
	I _____ (name of the authorised signatory), hereby declare that the information provided above is true and correct to the best of my knowledge and belief. I understand that any incorrect declaration or suppression of facts will render my application void and all benefits under Section 128A will be withdrawn.

Table 7

7	Upload required documents
	Self-certified copy of notice/ statement
	Proof of payment made through FORM GST DRC-03
	Proof of withdrawal of writ petition or application filed for withdrawal of writ petition (if the order for withdrawal has not been issued) (where applicable)
	Any other document (please specify)

Signature of authorised signatory

Name/Designation

Email address

Mobile No.

Instructions:

1. In entries 1 to 6 of Table 2, the details of the notice/ statement against which the application under section 128A is filed needs to be filled in by the applicant.
2. In case the notice/ statement is available on the common portal, Application Reference Number of the same needs to be filled. If the same is not available on the portal, the reference number of the manually issued notice/ statement needs to be filled.
3. In entry 3 of Table 2, the applicant has to choose the option 'section 73' from the dropdown, if the notice/ statement is issued under section 73 at the first instance, and the option 'section 74 read with Section 75(2)' in case the notice was initially issued under section 74 and was later deemed to be issued under section 73, based on the order of the Appellate Authority/ Appellate Tribunal or Court as per section 75(2).
4. In Table 3A, columns 2 to 8 will be auto filled, in case the notice/ statement is available on the common portal. If the same is not available on the portal, the details of the same are to be manually filled by the applicant.
5. While calculating the amount deductible on account of not being payable in accordance with sub-section (5) or sub-section (6) of section 16, from the amount payable in terms of the notice or statement or order under section 73, as the case may be, applicant is required to ensure that such amount is deducted only where Input Tax Credit has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds.

FORM GST SPL -02**[See rule 164(2)]**

Application for waiver of interest or penalty or both under section 128A, in respect of an order mentioned in clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of the said section

Reference No.

Table 1

S. No.	Particulars		Remarks
1	a	GSTIN/Temporary ID/UIN	
	b	Legal Name of the Business (As mentioned in PAN No.)	<Auto>
	c	Mobile Number	<Auto>
	d	Email Address	<Auto>
	e	Address	<Auto>
	f	Jurisdiction	<Auto>

Table 2

2.	S.No.	Details of the demand order	
	1	Demand Order No.	
	2	Date of issuance of order	
	3	Section under which order is issued	Drop down
	4	Whether any appeal or writ petition is filed against order before the Appellate Authority/ Appellate Tribunal/ High Court/ Supreme Court	Drop down
	5	If Yes in '4', whether the order for withdrawal of appeal or writ petition is issued ?	Drop down
	6	Whether demand order involves demand of erroneous refunds	Drop down

Table 3

(Amount in Rs.)

3	Financial Year	Amount demanded in the order (A)							Out of the amount mentioned in (A), demand pertaining only to ITC which has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds, and which has now become eligible as per section 16(5) or section 16(6) (B)					
		IG ST	CG ST	SG ST	CE SS	Total Tax including Cess	Interest	Penalty	IGST	CGST	SGST	CE-SS	Total Tax including Cess	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
	TOTAL													

Table 4

4	Amount paid through payment Facility against demand order mentioned in Table 3 [including those paid through FORM GST DRC-03 and later adjusted through filing an application in FORM GST DRC - 03A]							
	Credit entry Reference No.	Reference number of FORM GST DRC-03 (where applicable)	Reference number of FORM GST DRC-03A (where applicable)	IGST	CGST	SGST	CESS	Total Tax including Cess
	1	2	3	4	5	6	7	8
				<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>
				<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>
	Total			<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>

Table 5

5	<p><u>Declaration:</u></p> <p>1. I undertake that, I have not filed any appeal or writ petition against the said order.</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>I undertake that though I had filed an appeal / writ petition against the said order, I have withdrawn the said appeal/ writ petition (or) I have filed an application for withdrawal of the same and have attached the copy of withdrawal order or the application filed for withdrawal, with this application.</p> <p>2. Further, I understand and agree that no appeal shall be filed against the order concluding demand proceedings, issued under section 128A in any forum in the future.</p> <p>3. I also undertake that on issue of an order concluding demand proceedings issued under section 128A, no writ shall be filed against the order mentioned in Table 2 of this form.</p> <p>4. If an application is filed/ has been filed by the department against the order mentioned in Table 2 or if any proceedings are initiated under sub-section (1) of section 108 against the said order, and the Appellate Authority or the Appellate Tribunal or the court or the Revisional Authority, as the case may be, issues an order enhancing my tax liability, I undertake to pay the additional amount of tax payable within three months from the date of the said order of the Appellate Authority or the Appellate Tribunal or the court or the Revisional Authority, as the case may be, as per second proviso to sub-section (1) of section 128A.</p> <p>5. I declare that all information provided by me is accurate and truthful. I understand that any incorrect declaration or suppression of facts will render this application void and lead to recovery proceedings for the outstanding dues along with applicable interest and penalties.</p>
----------	---

Table 6

6	<p><u>Verification:</u></p> <p>I _____ (name of the authorised signatory), hereby declare that the information provided above is true and correct to the best of my knowledge and belief. I understand that any incorrect declaration or suppression of facts will render this application void and the benefits provided under section 128A will not be valid.</p>
----------	--

Table 7

7	Upload required documents	
	Self-certified copy of the order	
	Proof of withdrawal of appeal / writ petition or application filed for withdrawal of appeal/ writ petition (if the order for withdrawal has not been issued) (where applicable)	
	Proof of payment made towards demand / paid through FORM GST DRC-03 and adjusted through FORM GST DRC-03A.	
	Any other document (please specify)	

Signature of authorized signatory

Name/Designation.....

Email address.....

Mobile No.....

Instructions:

1. In columns 1 to 6 of Table 2, the details of the order against which the application under section 128A is filed needs to be filled in by the applicant.
2. In case the order is available on the common portal, ARN number of the same needs to be filled. If the same is not available on the portal, the order number of the manually issued order needs to be filled.
3. In Table 3, columns 2 to 8 will be auto filled, in case the order is available on the common portal. If the same is not available on the portal, the details of the same are to be manually filled in by the applicant.
4. Similarly, the reference number of the credit entry (made in ELR- Part II) needs to be filled in column 1 of Table 4. In case the payment intended to be made towards the said demand order was originally paid through FORM GST DRC-03, and later adjusted through filing an application in FORM GST DRC - 03A, the reference numbers of the same are to be filled in columns 2 and 3, and the rest of the columns will be auto-filled.
5. While calculating the amount deductible on account of not being payable in accordance with sub-section (5) or sub-section (6) of section 16, from the amount payable in terms of the notice or statement or order under section 73, as the case may be, applicant is required to ensure that such amount is deducted only where ITC has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds.

FORM GST SPL -03**Notice in response to an application filed under Section 128A**

[See rule 164(8)]

Date:

Reference No.:

To

GSTIN of applicant

Legal Name of applicant

Address of applicant

Reference No. of FORM GST SPL -01 or FORM GST SPL -02 dated

Subject: Notice in response to application filed under section 128A-regarding

1. Whereas, you have submitted an application under section 128A, declaring your outstanding dues and seeking waiver of interest and penalty in the FORM GST SPL-01/ FORM GST SPL-02 bearing reference no.....dated

2. Upon verification of your application and the details provided therein, your application is liable to be rejected for the following reasons:

- [Reason 1]

- [Reason 2]

OR/ AND

In this regard, it appears that the amount of tax is short paid by you as given below:

Demand details (A)							Demand paid through FORM GST DRC-03 (in case of notice/ statement) or by crediting electronic liability register in case of orders					Out of amount mentioned in (A), demand pertaining only to ITC which has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds, and which has now become eligible as per section 16(5) or section 16(6), if any.					Demand Short Paid				
Not ice- id/ Ord er id No.	Fi- na- nc- ial Pe- riod	IG ST	CG ST	SG ST	CE SS	Total Tax includ- ing Cess	IG ST	CG ST	SG ST	CE SS	Total Tax includ- ing Cess	IG ST	CG ST	SG ST	CE SS	Total Tax includ- ing Cess	IG ST	CG ST	SG ST	CE SS	Total Tax includ- ing Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
	Drop do- wn																				
	Drop do- wn																				

3. You are hereby required to show cause, along with necessary documents in FORM GST SPL-04, to support your claim, as to why your application no..... dated should not be rejected.

4. You are also granted an opportunity for a personal hearing on [date and time] at [venue]. You may appear in person or through an authorized representative to present your case.

(Signature)
(Name of the Tax Office)
(Designatio)
(Jurisdictio)
(Addres)

Upload Attachment**FORM GST SPL-04***[See rule 164(9)]***Reply to notice issued under rule 164(8)**

Date:

Reference No:

To

Proper Officer

Jurisdiction

Legal Name of the applicant.....

Address of applicant

Reference No. of FORM GST SPL-03: Dated

Subject: Reply to the notice issued in respect of application filed under section 128A.

Sir/Madam,

This is in reference to the notice issued in FORM GST SPL-03 *vide* no dated from your office.

The reply is as under:

Enclosures:

The following documents in respect of payment proof or additional submissions are enclosed for your reference:

- Document 1: [Taxpayer's Document 1]
- Document 2: [Taxpayer's Document 2]
- Document 3: [Taxpayer's Document 3]

Verification:

I _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove are true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

(Date)

(Signature of Authorised Signatory)

(Name of the of authorised signatory)

(Designation/Status)

FORM GST SPL -05*[See rule 164 (10)]***Order for conclusion of proceedings as per section 128A**

Reference No.

Date:

To,

GSTIN of applicant

Legal Name of applicant

Address of applicant

Reference No. of FORM GST SPL-01/ FORM GST SPL-02 dated**Subject: Order for approval of application submitted under Section 128A**

This has reference to your application with reference no. dated furnishing details/ information and documents in support of your request for availing the benefit of waiver of interest or penalty or both under section 128A.

OR

This has reference to your application with reference no. dated , and your reply in FORM GST SPL-04 with reference no. dated furnishing details/ information/ submission and documents in support of your request for availing the benefit of waiver of interest or penalty or both under section 128A .

2. Upon verification of the details provided in your application and the reply, where applicable, waiver of interest or penalty or both under section 128A, is allowed as under:

3. Demand Notice/ Demand Order Details:

a. Order No./ Notice No.:

b. Date of order/ Notice:

Financial - Year	Amount demanded in the notice/ statement/ order against which application under section 128A was filed (A)							Out of the amount mentioned in (A), demand pertaining only to ITC which has been denied solely on account of contraven- tion of section 16(4) and not on any other grounds, and which has now become eligible as per section 16(5) or section 16(6)	Amount already paid towards the said notice/ statement / order							Amount of interest and penalty waived as per section 128A			Remaining amount of interest and penalty, payable, if any, by the applicant [in cases referred to in sub- rule (3) and sub-rule (4) of rule 164]	
	Place of Supply (PoS)	Act	Tax includ- ing cess	Inter- est	Penalty	Fee	Oth- ers		Tax includ- ing cess	Place of Supply (PoS)	Act	Tax includ- ing cess	Inter- est	Pen- alty	Fee	Oth- ers	Inter- est	Pen- alty		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	
		C G S T								C G S T										
		S G S T								S G S T										
		I G S T								I G S T										
		C e s s								C e s s										
Total									Total											
		C G S T								C G S T										
		S G S T								S G S T										
		I G S T								I G S T										
		C e s s								C e s s										
Total									Total											

(Signature)
(Name of the Tax Officer)
(Designation)
(Jurisdiction)
(Address)

Notes -

Any incorrect declaration or suppression of facts will render this approval void and may lead to recovery proceedings for the outstanding dues along with applicable interest and penalties.

FORM GST SPL -06

[See Rule 164 (15)(b)(i)]

Order for conclusion of proceedings as per section 128A

Reference No.

Date:

To,

GSTIN of applicant

Legal Name of applicant

Address of applicant

Name of the authorised representative -

Reference No. of FORM GST SPL-01/ FORM GST SPL-02 dated

Reference No. of FORM GST SPL-07 dated

Reference No. of FORM GST APL-01 dated

Subject: Order for approval of application submitted under section 128A

1. This has reference to your appeal with reference no. dated furnishing details/ information/ prayer and documents in support of your request for availing the benefit of waiver of interest or penalty or both under section 128A.
2. Upon verification of the details provided in your application and the reply, where applicable, waiver of interest or penalty or both under section 128A, is allowed as under:
3. Demand Notice/ Demand Order Details:
 - a. Order No./ Notice No.:
 - b. Date of order/ Notice:

Financial Year	Amount demanded in the notice/ order against which application under section 128A was filed (A)	Out of the amount mentioned in (A), demand pertaining only to ITC which has been denied solely on account of contravention of section 16(4) and not on any other grounds, and which has now become eligible as per section 16(5) or section 16(6)	Amount already paid towards the said notice/ statement / order	Amount of interest and penalty waived as per section 128A	Remaining amount of interest and penalty, payable, if any, by the applicant [in cases referred to in sub-rule (3) and sub-rule (4) of rule 164]

	Place of Supply (PoS)	Act	Tax includ- ing cess	Inter- est	Pena- lty	Fe- e	Other s	Tax including cess	Place of Supply (PoS)	Act	Tax including cess	Inter- est	Pena- lty	Fe- e	Othe- rs	Inter- est	Pena- lty	Inter- est	Pena- lty
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
		CGST								CGST									
		SGST								SGST									
		IGST								IGST									
		Cess								Cess									
	TOTAL									TOTAL									
		CGST								CGST									
		SGST								SGST									
		IGST								IGST									
		Cess								Cess									
	TOTAL									TOTAL									

(Signature)

(Name of the Appellate Authority)

(Designation)

(Jurisdiction)

Notes -

Any incorrect declaration or suppression of facts will render this approval void and may lead to recovery proceedings for the outstanding dues along with applicable interest and penalties.

FORM GST SPL -07

[See rule 164(12)]

Order for Rejection of Application submitted under section 128A

Reference No.

Date:**To,**

GSTIN of applicant

Legal Name of applicant

Address of applicant

Reference is invited to:

Particulars	Reference No.	Dated
Application in FORM GST SPL -01/ FORM GST SPL-02		
Show Cause Notice in FORM GST SPL -03:		
Reply to the Show Cause Notice in FORM GST SPL -04:		

Subject: Order for Rejection of Application submitted under section 128A

This has reference to your application with reference no. dated furnishing details/ information and documents in support of your request for availing the benefit of waiver of interest and penalty under section 128A. The notice referred to above was issued to you to explain the reasons as to why the said application should not be rejected, for which you had furnished reply dated/ no reply was furnished by you.

2. Introduction:

3. Submissions, if any:

4. Conclusion:

Based on the verification your application with reference no. dated filed under section 128A, is hereby rejected.

5. Summary of rejection:

Order id/ SCN id	Reason for rejection
	<p><Drop Down></p> <p>Options in <Drop Down></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Full payment not made 2. Payment made after the date notified in Section 128A. 3. Notice/ Order pertaining to sections other than section 73. 4. Appeal/ writ petition filed before Appellate Authority/ Appellate Tribunal/ High Court/ Supreme Court not withdrawn 5. Others, please specify.

(Signature)

(Name of the Tax Officer)

(Designation).....

(Office Name).....

(Contact Information).....

FORM GST SPL -08*[See rule 164(15)(b)(ii)]***Undertaking submitted under rule 164(15)(b)(ii)**

Date:

Reference No:

1. Legal Name of the applicant.....
2. Address of applicant
3. *GSTIN of the applicant:*
4. Reference No. of FORM GST SPL-02: dated
5. Reference No. of FORM GST SPL-07: dated
6. Reference No. of FORM GST APL-04 passed with reference to FORM GST SPL-07 specified at serial number 5 above: dated
7. Reference number of appeal filed originally but subsequently withdrawn dated

Subject: Undertaking submitted in respect of Rule 164(15)(b)(ii).

Sir/Madam,

I hereby undertake not to file an appeal against the order of the appellate authority bearing reference number dated, as specified at serial number 6 above, and accordingly I pray for restoration of my appeal filed *vide* reference number dated as specified at serial number 7 above.

I _____ hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove are true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

(Signature of authorised signatory)

(Name of the of authorised signatory)

(Designation/Status)

(Date).”.

By order,

M. DEVARAJ,

Pramukh Sachiv.